दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 07:17 ए एम
सूर्यास्तः 05:34 पी एम
तिथिः षष्ठी - 03:13 पी एम तक
नक्षत्रः शतभिषा - 01:22 ए एम
योगः वज्र - 09:32 पी एम तक
करणः तैतिल - 03:13 पी एम तक
द्वितीय करणः गर - 02:08 ए एम
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः सोमवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 3 • अंक 344 • पृष्ठ 8 • दुमका, सोमवार 18 दिसंबर 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

फास्ट टेक

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की 21 दिसंबर को बैठक, लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की संभावना

नईदिल्ली/एजेंसी। पिछले महीने पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस अब आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में लग गई है. इसी को देखते हुए कांग्रेस ने 21 दिसंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाई है. सूत्रों की माने तो कांग्रेस इस बैठक में 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा करने और बीजेपी से मुकाबला करने की रणनीति बनाने पर चर्चा कर सकती है. बता दें कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में से चार में हार का सामना करने वाली कांग्रेस के सामने सीटों के बंटवारे को लेकर भी चुनौती पैदा हो गई है. क्योंकि, इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य दल अब राज्यों में ज्यादा सीटों की मांग कर सकते हैं. बता दें कि इससे पहले इंडिया गठबंधन की बैठक 19 दिसंबर को दिल्ली में होगी. जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है. सूत्रों का कहना है कि ये बैठक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर होगी. उसके दो दिन पहले यानी 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक का भी आयोजन होगा.

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में गिरा पारा, दिल्ली में कड़ाके की ठंड शुरू

नईदिल्ली/एजेंसी। पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है. दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में कड़ाके ठंड पडने लगी है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के समय कोहरा छाने लगा है और लोग ठंड से कांपने लगे हैं. वहीं दक्षिण के राज्यों में बारिश का दौर अब भी जारी है. इसी बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर से तमिलनाडु और केरल में अगले 24 घंटों के दौरान बारिश की संभावना जताई है. इसके साथ ही लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और मुजफ्फराबाद में भी हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है. वहीं हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में आज (रविवार) भी बर्फबारी का अनुमान है.

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी दिल्ली में पारा लगातार गिर रहा है. मौसम विभाग के मुताबिक, आज (रविवार) को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री तक रहने का अनुमान है. आईएमडी के मुताबिक, 21 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान में और गिरावट आएगी और ये गिरकर 5 डिग्री सेल्सियत तक रह जाएगा. जबकि अधिकतम तापमान गिरकर 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इसी के साथ आने वाले दिनों में राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह के समय कोहरा छाने लगेगा.

वहीं दिल्ली की हवा की बात करें तो यहां की हवा अब भी बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है.

पीएम मोदी ने सूरत एयरपोर्ट के नए एकीकृत टर्मिनल भवन और डायमंड बोर्स का किया उद्घाटन

सूरत/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे के पहले चरण में सूरत पहुंचे. जहां उन्होंने सूरत एयरपोर्ट के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया. इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में रोड शो किया. रोड शो करने के बाद पीएम मोदी ने सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन किया. बता दें कि सूरत डायमंड बोर्स अंतरराष्ट्रीय हीरे तथा आभूषण कारोबार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा एवं आधुनिक केंद्र बनेगा.

यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ-साथ आभूषणों के व्यापार के लिए एक वैश्विक केंद्र होगा, इसके अलावा यहां एक्सचेंज में आयात-निर्यात के लिए एक अत्याधुनिक सीमा शुल्क क्लीयरेंस हाउस, खुदरा आभूषण व्यवसाय के लिए एक आभूषण मॉल और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और सुरक्षित वॉल्ट के लिए सुविधा भी शामिल होगी. जबकि सूरत एयरपोर्ट का नया एकीकृत टर्मिनल भवन व्यस्त समय के दौरान 1,200 डॉमेस्टिक और 600 इंटरनेशनल पैसेंजर्स के लिए सुविधा देने में सक्षम होगा. एयरपोर्ट की क्षमता को बढ़ाकर 3,000 यात्रियों तक करने की योजना है. इसके साथ ही सूरत एयरपोर्ट पर प्रति वर्ष 55 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता हो जाएगी. अपने गृह राज्य पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया गया. सूरत में रोड शो के दौरान पीएम मोदी की एक झलक पाने और उनके स्वागत के लिए सड़क के किनारे लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली.

सूरत की भव्यता में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ डायमंड जुड़ाः मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय हीरा और आभूषण कारोबार के लिए दुनिया के सबसे बड़े और आधुनिक केंद्र सूरत डायमंड बोर्स का रविवार को उद्घाटन किया. दुनिया के सबसे बड़े कार्यालय परिसर वाली सूरत डायमंड बोर्स (एसडीबी) इमारत 67 लाख वर्ग फुट से अधिक के क्षेत्र में फैली है और सूरत शहर के समीप खजोद गांव में स्थित है.

पीएम मोदी ने उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, सूरत शहर की भव्यता में एक और डायमंड जुड़ गया है. और डायमंड भी छोटा-मोटा नहीं है बल्कि दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है. पीएम मोदी ने कहा, सूरत का नाम दुनिया के सबसे तेजी से आगे बढ़ते टॉप-10 शहरों में है. एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ-साथ आभूषणों के व्यापार का एक वैश्विक केंद्र होगा. बयान में कहा गया है कि इसमें आयात और निर्यात के लिए एक अत्याधुनिक सीमा शुल्क मंजूरी गृह, खुदरा आभूषण व्यवसाय के लिए आभूषण मॉल और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग की सुविधा होगी. एसडीबी डायमंड रिसर्च एंड मर्केंटाइल (ड्रीम) सिटी का हिस्सा है. गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने फरवरी 2015 में एसडीबी और ड्रीम सिटी परियोजना की नींव रखी थी.

हिमाचल में भीषण अग्निकांड, जिंदा जल गए मां और भाई-बहन, पिता भी झुलसे

ऊना/एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में भीषण अग्निकांड की खबर है। ऊना जिले के हरोली में झुग्गी में भीषण आग लग गई। इसमें 9 महीने के बेटे, पांच साल की बच्ची और मां की जलकर मौत हो गई, जबकि पिता आग में बुरी तरह झुलस गया। थाना टाहलीवाल की बाथु ग्राम पंचायत में देर रात अज्ञात कारणों से तीन झुग्गियों में आग लग गई। हादसे में सुमित देवी (25) पत्नी विजय शंकर निवासी उत्तर प्रदेश हाल निवासी बाथु, उसका बेटा अंकित (9 माह) और बेटी नैना (5) जिंदा जल गए। जब आग लगी तब सभी सो रहे थे और अचानक आग भड़क गई। जब तक इन लोगों को पता चल पाता, तब तक आग झुग्गी को चारों ओर से लपेट में ले चुकी थी।

नागपुर में सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में बड़ा धमाका, 9 लोगों की दर्दनाक मौत

नागपुर/एजेंसी।

महाराष्ट्र में नागपुर के बाजार गांव में एक बड़ा धमाका हुआ है। यह धमाका सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में हुआ है। इस हादसे में 9 लोगों की मौत होने की खबर है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है किकंपनी के कास्ट बूस्टर प्लांट में पैकिंग के समय यह ब्लास्ट हुआ। पुलिस के मुताबिक अब तक चार लोगों को जख्मी हालत में बचाया भी गया है। हालांकि अभी तक साफ नहीं हो सका है कि अंदर कितने लोग और फंसे हैं।

यह हादसा नागपुर ग्रामीण इलाके में हुई है। नागपुर ग्रामीण एसपी के मुताबिक मृतकों का आंकड़ा बढ़ सकता है। फिलहाल 9 लोगों की मौत की शुरुआती जानकारी आई है। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल चार लोगों को निकाल कर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि बचाव टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं, हालांकि अभी तक साफ नहीं हो पाया है कि हादसे के वक्त कितने लोग अंदर काम कर रहे थे या फिर कितने लोग हादसे के बाद खुद भाग कर बाहर आ गए। एसपी ग्रामीण के मुताबिक हादसा इतना तेज था कि कंपनी की इमारत का एक हिस्सा भी ध्वस्त हो गया है। इस धमाके की आवाज काफी दूर तक सूनी गई। इससे हड़कंप मच गया। उन्होंने बताया कि इस इमारत के मलबे में भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। मौका स्थिति को देखते हुए अन्य रेस्क्यू टीमों को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक हादसे की वजह भी सामने नहीं आई है। दरअसल अभी सभी टीमों का मुख्य फोकस बचाव कार्य पर है।

संसद की सुरक्षा में सेंध

दिल्ली पुलिस को राजस्थान से मिले आरोपियों के जले हुए फोन

नईदिल्ली/एजेंसी। संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में बड़ा अपडेट है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने राजस्थान से आरोपियों के मोबाइल फोन के जले हुए हिस्से, कपड़े और जूते बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों के फोन कथित रूप से मास्टरमाइंड ललित झा के पास थे। उसने पहले सारे फोन तोड़ दिए और फिर उन्हे आग के हवाले कर दिया।इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने संसद की सुरक्षा मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। 13 दिसंबर को शून्य काल के दौरान 2 युवक अचानक से दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूद गए थे और बेंचों पर कूदते हुए गैस कनस्तर से पीले रंग की गैस उड़ा दी।सांसदों ने मिलकर दोनों को पकड़ लिया और सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया। संसद के बाहर भी एक महिला और युवक पीले रंग का धुआं उड़ाते गिरफ्तार किए गए।इस पूरे मामले में अब तक मास्टरमाइंड ललित समेत कुल 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की घटना से जुड़े कई अहम सबूत बरामद हुए हैं। इनमें आरोपियों के मोबाइल फोन के हिस्से और उनकी अन्य चीजें शामिल हैं।इन सभी सूबतों की पुलिस लैब में जांच कराई जाएगी और टीम यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि आरोपियों के मोबाइल फोन में ऐसे क्या सबूत थे, जिन्हें जलाकर नष्ट किया गया है।

शनिवार को मामले में छठे आरोपी महेश कुमावत को गिरफ्तार किया था। यह घटनाक्रम तब हुआ, जब अधिकारियों ने पुष्टि की कि महेश ने पूरी साजिश रचने में ललित की मदद की थी।पुलिस को महेश के इंस्टाग्राम अकाउंट से पता चला कि इनके द्वारा क्रांति के नाम पर युवाओं को भड़काने और उनका ब्रेन वॉश करने की साजिश की जा रही थी।

अस्पतालों में मॉक ड्रिल करने के आदेश

कोरोना के नए सब वेरिएंट ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली/एजेंसी।

केरल के कुछ हिस्सों में कोविड सब वेरिएंट छ्ह.1 पाए गए हैं, जिसके बाद इसको लेकर चिंताएं थोड़ी बढ़ गई हैं। शनिवार को केरल में एक 79 वर्षीय महिला में कोविड का नया सब वेरिएंट पाया गया था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। भारत एसएआरएस-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम

(आईएनएसएसीओजी) को अनुक्रमण और नए खतरनाक कोविड -19 वेरिएंट पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसने केरल के उन हिस्सों की जांच की है, जहां जेएन.1 पाया गया है

आईएनएसएसीओजी के प्रमुख एन.के. अरोड़ा ने कहा, इस वेरिएंट को अलग कर दिया गया है और नवंबर में रिपोर्ट किया गया है। यह बीए.2.86 का एक सब वेरिएंट है। हमारे पास जेएन.1 के कुछ मामले हैं। उन्होंने कहा, भारत निगरानी कर रहा है और यही कारण है कि अब तक किसी अस्पताल में भर्ती होने या गंभीर बीमारी की सूचना नहीं मिली है। मालूम हो कि जेएन.1 को पहली बार सितंबर 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका में पाया गया था। नेशनल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कोविड टास्क फोर्स के सह-अध्यक्ष राजीव जयदेवन के अनुसार, सात महीने के अंतराल के बाद, भारत में मामले बढ़ रहे हैं। केरल में, लोगों के कोविड होने की खबर है, लेकिन फिलहाल किसी तरह की गंभीर स्थिति नहीं दिख रही है।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय कारा में हुआ जेल अदालत का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो। झालसा, राँची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा केन्द्रीय कारा में जेल अदालत -सह- विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के अध्यक्षता में किया गया। न्यायालय, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, दुमका के न्यायालय में लंबित दो वादों तथा माननीय न्यायालय श्री बिजय कुमार यादव, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, दुमका में लंबित एक वाद कुल (तीन) वादों का आवेदन जेल अदालत हेतु समर्पित किया गया था। तीनों बंदियों का समयावधि कम रहने के कारण आवेदन पर विचार नहीं किया जा सका। उपरोक्त अवसर पर विश्वनाथ भगत, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका, रामाशंकर प्रसाद, कारापाल, केन्द्रीय कारा, दुमका एवं लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल अंकित कुमार सिंह, रोबिन कुमार तथा न्यायालयकर्मी, काराकर्मी एवं बंदीगण उपस्थित थे। जेल अदालत -सह- विधिक जागरूकता शिविर में विशेष तौर पर महिला बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई तथा जिन महिला बंदियों को लिगल एड की आवश्यकता थी उसपर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा दिशा-निर्देश दिया गया।

एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में सीएफसी चतरा टीम विजय

दुमका/झारखंड देखो। मसलिया प्रखंड क्षेत्र के बाबा तिलका मांझी क्लब खैरबनी प्लस गोविंदपुर की ओर से एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल खेल खेला गया. फाइनल मुकाबला सीएफसी चतरा और एफसी बूढ़ीबाड़ी टीम के बीच हुआ.ट्राइब्रेकर में सीएफसी चतरा टीम एक गोल से फाइनल मुकाबला जीता. विजेता टीम को झामुमो वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदीप भगत के हाथों से नगद देकर सम्मानित किया गया.वही उपविजेता टीम एफसी बूढ़ीबाड़ी टीम को ग्राम प्रधान रामबृक्ष साह के हाथों से नगद देकर सम्मानित किया गया.सेमी फाइनल के दो टीमों को भी नगद देकर सम्मानित किया गया है.

पुलिस की तत्परता से टला बड़ा सड़क हादसा

दुमका/झारखंड देखो। रानीश्वर पुलिस की तत्परता से बड़ा सड़क हादसा टल गया,दरअसल रविवार के सुबह रानीश्वर पुलिस की गश्ती करने के क्रम में बाजार में एक कंटेनर चालक की तबियत अचानक बिगड़ जाने से चालक को गाड़ी चलान में परेशानी हो रही थी।साप्ताहिक हटिया होने के कारण आज रानीश्वर बाजार में काफी भीड़भाड़ थी।गस्ती दल ने देखा कि कंटेनर चालक गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख पा रहा है।गस्ती पुलिस को अहसास हुआ कि कंटेनर का चालक गाड़ी को लेकर कभी भी दुर्घटना कर सकता है।पुलिस ने तत्काल गाड़ी को रोककर दूसरे चालक द्वारा गाड़ी को रानीश्वर बाजार से दूर पेट्रोल पंप के सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बहरहाल रानीश्वर पुलिस की तत्परता से एक अनहोनी टल गई।

कोल डंपिंग यार्ड के खिलाफ एक बार फिर आंदोलन की राह पर ग्रामीण

एनजीटी से लेकर केंद्रीय मंत्री तक से लगा चुके है फरियाद

दुमका/झारखंड देखो।

दुमका रेलवे स्टेशन से कोल डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर एक बार फिर से स्थानीय लोगों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। एनजीटी से लेकर केंद्रीय मंत्री से फरियाद करने और पूर्व में तमाम आंदोलन के बावजूद जब कोल डंपिंग यार्ड को हटाया नहीं गया तो अब स्थानीय लोगों ने एक बार फिर आंदोलन की राह पकड़ ली है। हालांकि स्थानीय लोगों का आंदोलन का तरीका इस बार अलग है। स्थानीय लोग कोल डंपिंग यार्ड हटाने की पूर्ववर्ती मांग को लेकर हर रविवार को दुमका रेलवे स्टेशन पर धरना पर बैठेंगे और आज से आंदोलन का आगाज किया गया। रविवार को धरना में रसिकपुर मोहल्ले के कई लोग शामिल हुए। दरअसल रसिकपुर धनी आबादी वाला क्षेत्र माना जाता है और कोल डंपिंग यार्ड से ×फैल रहे प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित इसी इलाके में रहनेवाले स्थानीय लोग हो रहे है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे रवि शंकर मंडल इस मुद्दे पर एनजीटी तक से फरियाद लगा चुके है। रवि शंकर मंडल ने बताया कि कोल साईंडिंग से होने वाले वायु प्रदूषण से 50 से 100 गज में रहने वाले रसिकपुर वासी तो प्रभावित हो ही रहे हैं, साथ है आस पास के 10 से 12 गांव और शिक्षण संस्थान भी काफी प्रभावित हैं। कहा कि चिंता की बात यह है कि अब इसका असर बच्चों और बुजुर्ग महिला और पुरूषों पर भी हो रहा है।मंडल ने बताया कि वायु प्रदुषण की गंभीरता को देखते हुए और एनजीटी के नियमों को दरकिनार करने के लिए संबंधित बीजीआर कंपनी पर दस करोड़ का जुर्माना भी लगाया गया, बावजूद कंपनी अपनी मनमानी पर अंकुश लगाने के बजाय अनवरत कार्य जारी रखा है। स्थानीय मनोज सिंह मेलर कहा कि रसिकपुर के महिला और पुरुष इस लड़ाई में अब साथ साथ हैं। इसलिए सभी महिलाएं काम काज छोड़ कर धरना पर बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दुमका स्टेशन से कोयला साइडिंग हटाना ही होगा अन्यथा आंदोलन को और भी तेज किया जाएगा। मेलर ने कहा कि वायु प्रदुषण को लेकर संबंधित बीजीआर कंपनी ने कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया है जिसके कारण रसिकपुर और आस पास के ग्रामीण परेशान हैं।

गौरतलब है दुमका रेलवे स्टेशन परिसर कोयला डस्ट से भरा रहता है जिसका असर आने जाने वाले यात्रियों पर पड़ रहा है। दुमका शायद पहला रेलवे स्टेशन है जहां कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में कोयला डंपिंग यार्ड बना कर चंद लोग आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर मालामाल हो रहे हैं।रवि शंकर मंडल और मनोज सिंह मेलर ने कहा कि इस बाबत ध्यान आकृष्ट कराने के लिए जीएम कोलकाता, प्रदुषण विभाग और उपायुक्त दुमका को ज्ञापन सौंपा जाएगा।मौके पर संजय मंडल ,हेमंत श्रीवास्तव, गिरधारी झा, अभय गुप्ता, धुर्व मंडल, नागेंद्र शर्मा, बिनोद शर्मा, धनंजय मंडल, बंटी शर्मा, दिनेश शर्मा, छोटू शर्मा, मनोज कुमार, दिनेश कुमार, लक्ष्मण पंडित, प्रीति देवी, खुशबू देवी, रमेश मंडल, पवन शर्मा, सुदामा, विष्णु, बंटी, धनंजय, नित्यानंद, संजीत, बेबी कर्मकार, सुषमा देवी, अंजू देवी, बोबिया देवी, सुनिता, हेमंती, देवंती, प्रमिला, राजा , रितु देवी , रीता देवी,जिम्मी यादव, आशीष नायक, पुलिस पंडित, गोतम दान, संजू देवी आदि उपस्थित थे।

पेंशनर समाज दुमका द्वारा हर्षोल्लास से मनाया गया राष्ट्रीय पेंशनर दिवस

दुमका/झारखंड देखो।

झारखंड राज्य पेंशनर समाज दुमका के प्रशाल में रविवार को बड़ी धूमधाम से भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा दुमका के सौजन्य से राष्ट्रीय पेंशनर दिवस का आयोजन अध्यक्ष लक्ष्मी कांत ठाकुर के सभापतित्व में किया गया ।जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रशिक्षु आईएएस प्रांजल के कर कमलों से दीप प्रज्वलित कर किया गया । सचिव तारणी प्रसाद कामत ने बुके देकर अतिथियों का स्वागत किया और स्वागत भाषण दिया जिसके क्रम में सरकार से साग्रह निवेदन किया कि पूरे देश में पुरानी पेंशन लागू हो तथा 18 महीने के लंबित बकाए मंहगी भत्ता को जल्द से जल्द भुगतान किया जाय ।भारतीय स्टेट बैंक से आए पधाधिकारी ने बताया की हम पेंशनरों की सुविधा के लिए हमेशा तत्पर हैं चाहे पेंशन भुगतान का हो ,लाइफ सर्टिफिकेट देने का हो या लोन मुहैया कराने का हो । आई ए एस मैडम ने अपने अभिव्यक्ति में कहा कि आपकी समस्याओं को तो मैने सुनी ही अपने माता पिता से भी काफी सुनते रहती हूं ।वचन देती हूं की पद पर जहां भी रहूंगी पेंशनर दिवस पर खुद पहल करूंगी । प्रेस प्रभारी डॉ कुंदन झा ने बताया कि चयनित पेंशनर पीतांबर यादव सरैयाहाट, सुबोध ठाकुर रामगढ़ ,शिव प्यारी देवी दुमका ,माया साहा शिकारीपाड़ा, शिवनारायण यादव शिकारीपाड़ा ,कुलदीप चौधरी दुमका, सतनारायण वर्मा शिकारीपाड़ा, खुदीराम दास शिकारीपाड़ा ,मनिद्रनाथ धीवर दुमका, सुमंत प्रसाद सिंह सरैयाहाट, बम बहादुर सिंह दुमका, वकील ठाकुर सरैयाहाट ,कन्हाई पाल शिकारीपाड़ा, कमला देवी शिकारीपाड़ा, निताय पद लायक रानेशवर,जगन्नाथ झा दुमका, नकुल चंद्र गोराय दुमका ,रामकृष्ण भगत दुमका ,कृत्यानन सिंह दुमका को अंगवस्त्र,छड़ी एवं बुके देकर सम्मानित किया गया ।समारोह के आयोजन में वासुदेव प्रसाद, हीरालाल साह , शचामा देवी, रामानंद मिश्र,माधव कुमार सिंह, सीताराम यादव,प्रद्युम्न शर्मा, अब्दुल रशीद ,बाणेश्वर राय ,भवानी शंकर प्रसाद, राधे मिस्त्री, अरविंद मिश्रा, , विजय यादव , अरविंद कुमार झा, गोपाल चंद्र झा, दयामय मित्र ,का अहम योगदान रहा। मंच संचालन का कार्य कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा ने किया ।

एक जनवरी से राम भक्त डोर टू डोर जाकर करेंगे निमंत्रण देने का कार्य

दुमका/झारखंड देखो।

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भब्य राम मंदिर के उद्घाटन में शामिल होने का निमंत्रण देने हेतु अक्षत कलश दुमका लाया गया।कलश ग्रहण करने के उपरांत राम भक्तों ने रविवार को जामा प्रखंड के बजरंगी मंदिर में अक्षत कलश रखा। मंडल अध्यक्ष राजू दर्वे ने बताया कि बजरंग बली मंदिर में अक्षत कलश ग्रहण कर विधि विधान से रखा गया जो 19 दिसंबर मंगलवार को सिरसा नाथ मंदिर प्रांगण में लाया जाएगा।जहां से सभी पंचायत के राम भक्तों को आमंत्रित किया गया है। जिन्हें डोर टू डोर निमंत्रण देने हेतु प्रदान किया जाएगा।एक जनवरी से राम भक्त डोर टू डोर जाकर निमंत्रण देने का कार्य प्रारम्भ करेंगे।अक्षत कलश ग्रहण करने के मौके पर सुरेश मुर्मू,धनंजय प्रसाद, रामजस मांझी,कालेश्वर लायक, निरंजन दिलीप सेन, कुमोद राउत, विनय कुमार, शक्ति दर्वे, सिकंदर कुमार, घोलटन खिरहर, शंभू पंडित,रमेश यादव आदि अनेको राम भक्त उपस्थित थे।

साहदेव एकादश एक गोल से जीता फुटबॉल टूर्नामेंट

दुमका/झारखंड देखो। मसलिया प्रखंड के चुआदाहा मैदान में तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल खेल साहदेव एकादश और हमी स्टार दुमका के बीच खेला गया. जिसमें निर्धारित समय पर एक गोल दाग कर साहदेव एकादश विजेता का खिताब अपने नाम किया. इस टूर्नामेंट में कल 16 टीमों ने भाग लिया था. तीन दिवसीय फुटबाल टूर्नामेंट खेल का आयोजन एनएचसी चुआदाहा की ओर से किया गया था. फाइनल टूर्नामेंट काफी रोमांस रहा. खेल प्रेमियों ने तीन दिनों तक खेल का खूब आनंद उठाया. विजेता टीम साहदेव एकादशी को लिटिल एंगल स्कूल के माइकल मरांडी ने 70 हजार नगर पुरस्कार देकर सम्मानित किया. वही उपविजेता टीम हमी स्टार दुमका को मुखिया जगदीश टुडू के हाथों से नगद 50 हजार देकर सम्मानित किया गया .वही बीएम एकादश व पालोजोरी फुटबॉल टीम को 18- 18 हजार रूपये नगद देकर सम्मानित किया गया. इस मौके पर बेटका टुडू ,अनिल सोरेन, रविंद्र पूजहर,पिंटू मरांडी, निर्मल मरांडी, राजकिशोर, परेश आदि मौजूद थे ।

22 दिसंबर को सुबह 7 बजे होगा संथाल परगना स्थापना दिवस के अवसर पर क्रॉस कंट्री दौड़

दुमका/झारखंड देखो। सिद्धो कान्हू हूल वैसी, जिला खेलकूद संघ और जिला एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वाधान में संथाल परगना की स्थापना दिवस 22 दिसंबर को क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।उक्त आयोजन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई जिसमे पी के हेमब्रम, डॉ ए एम सोरेन, उमाशंकर चौबे, मानवेल सोरेन, सनातन मुर्मू, गमालियक हांसदा एवं अन्य उपस्थित थे।

पी के हेंब्रम की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में यह तय किया गया की 22 दिसंबर की सुबह पुरुषो की दौड़ डी सी चौक से प्रारंभ होकर हवाई अड्डा होते हुए सृष्टि पार्क तक जाएगी और उसी रास्ते से फिर वापस आयेगी जबकि महिलाओं को खिजुरिया से वापस आना होगा। प्रथम पांच स्थान प्राप्त करने वाले धावको को क्रमशः 1500, 1200, 1000, 800, 600 तथा छठे स्थान से लेकर दसवां स्थान प्राप्त करने वाले को 500 रुपए नकद इनाम तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किए जायेंगे। जबकि वरिष्ठ खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। उक्त जानकारी अंजनी शरण ने दिया।

लिट्टीपाड़ा बीडीओ ने किया सरकारी मवेशी हाट का निरीक्षण

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

लिट्टीपाड़ा बीडीओ श्रीमान मरांडी ने रविवार को हिरणपुर स्थित सरकारी मवेशी हाट का निरीक्षण किया। बीडीओ ने निरीक्षण के दौरान हटिया परिसर में फैले गंदगी को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए साफ कराने का निर्देश कर्मियों को दिया। उन्होंने कहा कि हटिया परिसर में कूड़ेदान बनाया जाएगा। जिसमे सभी गंदगी को फेंका जाएगा। हटिया परिसर निकट स्थित घरों से निकले पानी से हाट में गंदगी फैल रहा है। इसको लेकर सभी अपने अपने घरों निकट सोकपीट का निर्माण कराए। उन्होंने बारिश के समय हटिया परिसर से बाजार के मुख्य सड़क से पानी की बहाव को लेक- र आवशचक जानकारी व इसको लेकर बाजार के दुकानदारों से मिलकर इसकी समाधान करने की बात कही। बताते चले कि हटिया परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वही नाली के अभाव में वर्षा के समय दुर्गन्धमय कीचड़ फैल जाता है। वही बाजार के एक नम्बर गली स्थित नाला जाम रहने से मुख्य सड़क होते हुए पानी का बहाव होते आ रहा है। जिससे आवागमन करने वालो को काफी दिक्कतें का सामना करना पड़ता है। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य विकास कुमार दास , राजेश हेम्ब्रम आदि उपस्थित थे।

21 जनवरी 2024 को नीतीश कुमार का झारखंड दौरे को लेकर जदयू पार्टी की तैयारी जोरों पर

पाकुड़/झारखंड देखो। 2 1जनवरी 2024 को बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का खारखंड अगमान को लेकर जदयू के पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी जोश एवं खुशी की मौहल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार झारखंड के सभी प्रमंडल में दौरा करेंगे। तथा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी करेंगे।इसको लेकर जदयू पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पूरा जोरों शोरों से तैयारी में जुट गई है। रविवार पाकुड़ के गोकुलपुर स्थित लड्डू बाबु आम बगान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का झारखंड आगमन को लेकर जदयू के जिला अध्यक्ष गौतम मंडल ने सभी प्रखंड के पार्टी पदाधिकारी के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का रैली में पाकुड़ ज़िला से काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्त्ता भाग लेने की बात कही। तथा 2024 लोकसभा इलेक्शन की तैयारी का भी बात कही। इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष गौतम मंडल पार्टी के जिला प्रवक्ता शह जिलाध्यक्ष प्राधिनिधि अमन कुमार भगत महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष मुन्नी टुडू मनोज मरांडी रामेश्वर मुर्मू जोसफ मराण्डी बाबुधन सोरेन हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष जीतलाल टुडू आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जदयू की अध्यक्षता में जदयू कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई

दुमका/झारखंड देखो। शिकारीपाड़ा प्रखंड के ग्राम ढाका में दिन रविवार को जनता दल यूनाइटेड के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील बेसरा की अध्यक्षता में जदयू कार्यकारिणी समिति की एक बैठक आहूत की गई। बैठक का उद्देश्य इस क्षेत्र में संगठन को पुनर्जीवित करते हुए उसे मजबूत करना है, ताकि आने वाले विधान सभा चुनाव में जदयू पूरी ताकत और मजबूती के साथ चुनाव लड़ सके। बैठक में नये-पुराने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जदयू सुनील बेसरा ने कहा कि आने वाले समय में इस क्षेत्र से जदयू अपना परचम लहराएगा। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म, ऊंच-नीच, आदिवासी-गैर आदिवासी, बाहरी-भीतरी की राजनीति करने वालों के दिन अब लद गए। क्षेत्र के नागरिक अपना भला-बुरा खुद समझने लगे हैं, उन्हें कहीं से भी बहकाया नहीं जा सकता। बेसरा ने कहा कि शिकारीपाड़ा विधान सभा क्षेत्र के लोग किसी के बहकावे में न आकर खुद संगठित हो रहे हैं, जो एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि सभी जाति के लोग संगठित होकर जनता दल यूनाइटेड को मजबूत करने का प्रयास करें ताकि हमारा अस्तित्व कायम रहे। इस अवसर पर रमजान मियाँ, फुरकान अंसारी, मंजर अंसारी, शकील अंसारी, जब्बार मियाँ, तूफान मियाँ, कादिर मियाँ, महफूज मियाँ व अन्य मौजूद थे।

आजसू पार्टी ने किया बैठक ,विभिन्न मुद्दों पर किया चर्चा

पाकुड़/झारखंड देखो। पाकुड़िया डाक बंगला परिसर पाकुड़िया में रविवार को आजसू पार्टी की बैठक केंद्रीय समिति सदस्य अलफ्रेड सोरेन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पार्टी के जिला प्रधान सचिव मिथलेश ठाकुर और युवा नेता अफिफ असलम की देखरेख में पाकुड़िया प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से रविन्द्र मरांडी को प्रखंड अध्यक्ष और दाऊद हेंब्रम को प्रखंड सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही सुंदर सोरेन को सह सचिव, फ्रांसिस हांसदा को कोषाध्यक्ष, शिवराम मुर्मू को उपाध्यक्ष, अल्फ्रेड टुडू को उपाध्यक्ष, गिलवर्ट हांसदा को संगठन सचिव तथा इग्नेसियूस मरांडी और देवीलाल मुर्मू को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। उक्त सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को माला पहना कर स्वागत किया तथा प्रमाण पत्र दिया गया। प्रखंड अध्यक्ष के रूप में चयनित होने पर रविंद्र मरांडी ने आजसू केंद्रीय उपाध्यक्ष अकील अख्तर और पाकुड़ आजसू जिला समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला नेतृत्व ने जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा और संगठन के सभी ज़िम्मेदार लोगों को साथ लेकर संगठन की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करूंगा। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य मनीष चौबे, मंजूर आलम, जिला प्रवक्ता शेकसादी राहमातुल्ला, जिला कोषाध्यक्ष सादाकस अली और जिला मीडिया प्रभारी अहमदुल्ला सहित अन्य मौजूद थे।

चिर लंबित मांग को लेकर फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन ने किया बैठक

पाकुड़/झारखंड देखो। पाकुड़िया प्रखंड परिसर पाकुड़िया में रविवार को प्रखंड के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों ने अपने चिर लंबित मांग को लेकर फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष बेंजामिन हेंब्रम की अध्यक्षता एक बैठक हुई। बैठक में अनुकंपा डीलर बरकरार रहने देने, पीएमजीकेवाई वितरण में कमिशन जल्द देने, कमीशन राशि तीन रुपया किए जाने, ईपोस मशीन को पांच ऋमें परिवर्तन करने साथ ही ईपोस मशीन का मरम्मती खर्च। वर्ष 2016 से 23 तक का मरम्मती खर्च साहित अन्य मांगों को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। साथ ही प्रखंड अध्यक्ष बेंजामिन हेंब्रम ने बताया कि सरकार अगर हम सभी डीलर संगठन की मांग पुरा नहीं करती है तो आगामी एक जनवरी 2024 से सभी डीलर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन का राज्य स्तरीय बैठक रांची में 18 दिसंबर को आयोजित है। मौके पर बैठक में डीलर प्रखंड सचिव अशोक हलवाई, कोषाध्यक्ष अचिंत कुमार दास, मनोज भगत, चुंडा हेंब्रम, विमला बेसरा, सरवन कुमार भगत साहित अन्य दर्जनों डीलर उपस्थित थे।

विश्व हिन्दू परिषद सहित संघ परिवार के अन्य अनुषंगी संगठनों की समन्वय बैठक आयोजित

दुमका/झारखंड देखो।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्म भूमि स्थान पर बन रहे भव्य श्री राम मंदिर में आगामी 22 जनवरी को होने वाले प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित होने के लिये घर-घर जाकर लोगों को निमंत्रण दिया जाएगा।इसके लिए विश्व हिन्दू परिषद सहित संघ परिवार के अन्य अनुषंगी संगठनों की समन्वय बैठक रविवार को रामगढ़ के स्वप्नानाथ शिव मंदिर के प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री राम जन्म भूमि निमंत्रण अभियान के संयोजक रमेश मुर्मू ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए हर घर में अयोध्या से आए पवित्र अक्षत,तस्वीर और पत्रक लेकर कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को अयोध्या आने के लिये आमंत्रित करेंगे।इसके लिये ग्राम तथा पंचायत स्तर पर श्री राम जन्मभूमि निमंत्रण अभियान समिति का गठन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इसके लिए आगामी 31 दिसंबर तक ग्राम एवं पंचायत इकाइयों का गठन कर रामगढ़ प्रखंड के पांच हजार घरों से संपर्क कर उनमें आमंत्रण पत्र पहुंचाया जाएगा।आगामी एक से पंद्रह जनवरी तक आमंत्रण पत्र पहुंचाने का कार्य होगा।22जनवरी को सभी गांवों के मंदिरों में अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण दिखाने की व्यवस्था की जाएगी।सभी मंदिरों में भजन-कीर्तन,आरती,सुंदर कांड का पाठ आदि का आयोजन स्थानीय स्तर पर किया जाएगा।सभी घरों में दीपक जलाकर दीपावली मनाई जाएगी।बैठक को अभियान के जिला सह संयोजक सह रामगढ़ के पालक संतोष मंडल ने भी संबोधित किया।बैठक में श्रीराम जन्मभूमि निमंत्रण अभियान समित का विस्तार किया गया।केदार मंडल तथा हिमांशु कुमार कुशवाहा को अभियान का सह संयोजक बनाया गया।जबकि समिति में अन्य अठारह व्यक्ति भी शामिल किये गए।बैठक में मनोज पाण्डेय,नलिन मंडल, किशोरी साह,निर्मल मरांडी, अजय मंडल, नवल किशोर मांझी,प्रदीप मंडल, मनोहर हेम्ब्रम, सुभाष पाल, प्रसेनजीत मंडल, सपन सेन,तरुण कुमार नाग, रामफल राय,धर्मदेव अर्हक, जीतू राय, युधिष्ठिर मंडल, कामेश्वर राय, सुरेश सोरेन सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे।

प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाएं के बारे में लोगो को बताया

नाला/झारखंड देखो। शिमलाडंगाल पंचायत एवं फतेहपुर पंचायत में मोदी जी की गारंटी वेन पहुंचा जिसमें गरीबों को प्रधानमंत्री के द्वारा दिये जा रहे बहुत सारे जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराया गया एवं विकसित भारत के सपनों को दिखाया गया किस तरह से 9 साल में भारत का विकास हो रहा है आज लाभार्थियों को आयुष्मान भारत के तहत 5 लाख रुपए प्रति वर्ष स्वास्थ बीमा का लाभ दिया जा रहा है। किसानों को कल्याणकारी लाभ दिलाने के लिए मुफ्त खदान दिया जा रहा है महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री उजाला गैस योजना का लाभ दिया जा रहा है। पहली बार जनजातीय समुदायों को मिला जनजाति गौरव दिवस का सम्मान। नल जल योजना का भी शुभारंभ मोदी जी ने किया ताकि गरीबों को मुफ्त अनाज के साथ-साथ शुद्ध पेयजल पानी मिले। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृषि विज्ञान केंद्र से मनतोष साधु कनीय अभियंता किशोर किस्कु एवं चंद्र देव मुर्मू पंचायत सचिव दुखहरण मंडल रोजगार सेवक अल्ताफउल रहमान भाजपा नेता अमित भैया मनोज गोस्वामी प्रमोद गोस्वामी अजय कपूर पिंकी सामंत विभा सिंह सदानंद मंडल प्रदीप कुमार मंडल शिमलाडांगल मुखिया मिथिला मुर्मू मौजूद थी।

संताली लाहन्ती बैसी द्वारा केकेएम कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो।

दिसंबर 1855 संताल परगना स्थापना दिवस को लेकर संताली लाहान्ती बैसी दुमका,संताल परगना (झा.) द्वारा केकेएम कॉलेज पाकु-ड़ में क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें बड़ चढ़ छात्र छात्रा ने भाग लिया। तथा संतालो का सांस्कृतिक, हूल दिवस, संताली साहित्य दिवस,संताली हूल दिनीसा। इत्यादि संबधित प्रश्न किया गया एवं परीक्षा की परिणाम 22 दिसंबर 2023 को सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में प्रकाशित किया जाएगा जिसमें प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान ग्रहण करने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। मौके पर छात्रनायक बजल टुडू, उप छात्रनायक चैतन मुर्मू, छात्रनेता कमल मुर्मू, रसको मरांडी इत्यदि उपस्तिथ थे।

बुलडोजर आज चलेगा या कल...

रेप केस में बीजेपी विधायक की सजा पर अखिलेश यादव ने पूछा सवाल

लखनऊ/एजेंसी

उत्तर प्रदेश के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक रामदुलार गोंड को एक नाबालिग लड़की से रेप करने के मामले में 25 साल की सजा सुनाई गई है। इस फैसले के बाद सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि अब तक एमएलए की विधायकी रद्द क्यों नहीं की गई।

अखिलेश यादव ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा, बलात्कार के मामले में बीजेपी के दुद्धी (सोनभद्र) के विधायक को 25 साल की सजा व 10 लाख रुपये का जुर्माना हुआ है, फिर भी अब तक विधानसभा की सदस्यता रद्द नहीं हुई है. कहीं उन्हें भाजपाई विधायक होने की वजह से विशेष आदर और अभयदान तो नहीं दिया जा रहा है. जनता पूछ रही है कि बुलडोजर की कार्रवाई आज होगी या कल?

क्रिसमस पर्व को लेकर शिक्षक संघ ने की दिसंबर का अग्रिम वेतन भुगतान की मांग

दुमका/झारखंड देखो। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ झारखंड प्रदेश संघ ने क्रिसमस पर्व को लेकर दिसंबर 2023 के अग्रिम वेतन भुगतान की मांग की है। संघ ने दिसंबर के वेतन भुगतान हेतु 22 और 23 दिसंबर तक आदेश निर्गत करने की मांग की है। जबकि झारखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य प्रवक्ता डॉ.संजीव कुमार मिश्र ने सरकार से मांग की है कि, क्रिसमस के पूर्व तमाम शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों का माह दिसंबर का वेतन भुगतान किया जाय। क्रिसमस झारखंड में विशेष तौर पर हर्षोल्लास से मनाया जाता है। जिसकी एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है जो समाज के तमाम वर्गों को स्पर्श करती है।ईसाई समुदाय का यह सबसे बड़ा पर्व है। शिक्षकों में इन समुदाय की बड़ी संख्या है।जिस प्रकार ईद,दुर्गापूजा जैसे बड़े एवं महत्वपूर्ण पर्व के पूर्व वेतन भुगतान किया जाता रहा है,उसी नियमों का अनुपालन इस महान पर्व पर किया जाना चाहिए।सरकारी शिक्षकों के साथ अल्प वेतनभोगी पारा शिक्षकों का भी वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। विगत में ऐसा देखा गया कि शिक्षकों की माँग पर सरकारी शिक्षकों का पर्व के पूर्व वेतन भुगतान तो किया गया परन्तु पारा शिक्षकों के मानदेय भुगतान में शिथिलता बरती गयी। ऐसा नहीं होना चाहिए। उनके संबंध में भी सदाशयी एवं संवेदनशील निर्णय होना चाहिए।

करगाली खुर्द पंचायत में आपके सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजन

खोरीमहुआ। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम धनवार प्रखण्ड क्षेत्र के करगाली खुर्द पंचायत में आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन सीओ नरेश वर्मा, बीस सूत्री अध्यक्ष सफीक अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष निरंजन मुखिया मुजाहिद अंसारी तथा स्थानीय मुखिया असगर इमाम के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा बारी बारी से सभी स्टॉल का निरक्षण किया गया। जिसके उपरांत बीस सुत्री अध्यक्ष सफिक अंसारी ने लाभुको को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम हर गरीब गुरबों तथा गांव देहात व पहाड़ो में रहने वाले लोग जो ब्लाक का चक्कर नहीं लगा पाते थे। जिससे गरीबों का काम नहीं हो पता था और गरीब लोग सरकारी योजनाओं से वंचित रहते थे। जिसको देखते हुए हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया कि ब्लॉक व अंचल के सभी अधिकारियों को गांव में पहुंचया ताकि गरीब गुरबों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचे ।कार्यक्रम में अबुआ आवास, छात्रों के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, वृद्ध विधवा पेंशन, पशुपालन विभाग, चिकित्सा विभाग अंचल विकास के अलावे कई स्टॉल नहीं लगाया गया।

आगामी लोकसभा चुनाव एवं 28 दिसंबर को होने वाले कांग्रेस स्थापना दिवस की तैयारियों व संगठन मजबूती को लेकर कांग्रेस ने किया बैठक

दुमका/झारखंड देखो।

कांग्रेस भवन दुमका में जिलाध्यक्ष महेश राम चंद्रवंशी की अगुवाई में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों एवं 28 दिसंबर को होने वाले कांग्रेस स्थापना दिवस की तैयारियों के साथ-साथ संगठन मजबूती को लेकर के एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव डॉक्टर सुशील मरांडी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष महबूब आलम ने किया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बारी-बारी से अपने विचार रखें। जिस प्रखंड में कमेटी नहीं बनी है उस प्रखंड के अध्यक्ष को 15 दिनों के अंदर कमेटी गठित कर सूची जिला कांग्रेस कमेटी के सुपुर्द करने का निर्देश दिया गया।इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी का स्थापना दिवस कार्यक्रम भव्य समारोह के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सरकार के विरुद्ध कार्यकर्ताओं के मन में आक्रोश भी देखा गया,लेकिन निर्णय लिया गया कि संगठन अपनी राह चलेगी और सरकार अपनी राह। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष महेशराम चंद्रवंशी ने कहा कि कार्यकर्ता पहले स्वयं मजबूत हो तभी पूरी कमिटी शशक्त होगी। कार्यक्रम मे जिला उपाध्यक्ष राजा मरांडी,प्रेम कुमार साह,शमशाद अंसारी, अरविन्द कुमार,संजीत सिंह,शहरोज़ शेख,टिंकू अली इमाम,सत्यनारायण यादव,सुनील हेम्ब्रम,सुनील किस्कू, कलाम अंसारी, योगानंद सरकार, स्टीफन मरांडी, राजीव जयसवाल, पिंकू पंडा, शयाम सुन्दर भगत, विलियम टुडू,रोमी इमाम, मजीद अंसारी, पोलूस मुर्मू,दशरथ मंडल, संतोष सिंह, मानू खान,सुज्जल सेन, मिट्ठू यादव, ममता देवी,शेख रियाज़, मो.अब्दुल राजा,रुपेश सिंह, सुशील पासवान, कंचन गोराई, मुकेश यादव, सुभाष राउत,जमील उद्दीन अंसारी आदि उपस्थित थे।

हैवान बना आईएएस का बेटा

दोस्तों संग मिलकर पहले प्रेमिका को पीटा, फिर कार से कुचला

मुंबई/एजेंसी

मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक 26 साल की महिला ने आरोप लगाया है कि उसके प्रेमी ने उसे अपनी एसयूवी कार से कूचलने की कोशिश की। जिसमें वो गंभीर रुप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी एक वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट का बेटा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आईएएस अधिकारी के बेटे ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर पहले तो गर्लफ्रेंड की बेरहमी से पिटाई की और बाद में कार से कुचलकर उसे मौत के घाट उतारने की कोशिश की। इससे पीड़िता प्रिया सिंह गंभीर रुप से घायल हो गई है और इन्फिनिटी मेडीसर्ज अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। आरोपी महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट का बेटा अश्वजीत गायकवाड़ हैं। घटना 11 दिसंबर को हुई थी। पुलिस ने आरोपी अश्वजीत और दो अन्य के खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया था। बता दें कि, पीड़िता प्रिया सिंह एक पेशेवर ब्यूटीशियन हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में यह बाता साझा की है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'मुझे न्याय चाहिए। दोषी अश्वजीत अनिल कुमार गायकवाड़, महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के संयुक्त प्रबंध निदेशक अनिल कुमार गायकवाड़ का बेटा है।' प्रिया सिंह ने कहा, 'मेरे प्रेमी अश्वजीत ने मुझे फोन करके एक फैमिली फंक्शन में बुलाया। वहां उसके दोस्त भी रोमिल पाटील, प्रसाद पाटील और सागर शेल्के, प्रेमी के ड्राइवर-सह-अंगरक्षक शिवा भी मौजूद था। मेरे वहां पहुंचने वह अजीब सा बर्ताव करने लगा। इस पर मैंने अश्वजीत से अच्छी तरह पेश आने और अकेले में बात करने के लिए पूछा, लेकिन वह और बदतमीजी करने लगा।'इस मामले को लेकर पुलिस का बयान भी सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना घोडबंदर रोड पर एक होटल के पास सोमवार सुबह करीब साढ़े चार बजे हुई। महिला अश्वजीत गायकवाड़ से मिलने पहुंची थी। दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। बाद में, जब पीड़िता कार से उतरकर जाने लगी, तो वाहन चला रहे व्यक्ति ने उसे कुचलने की कोशिश की,जिसके कारण वह गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच चल रही है और अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

गोपालगंज में लापता पुजारी की निर्मम हत्या

- **जीभ-प्राइवेट पार्ट काटा; दोनों आंखे निकाली, लोगों ने किया हंगामा**

गोपालगंज। मांझागढ थाना क्षेत्र के दानापुर गांव स्थित शिव मंदिर से पांच दिन पूर्व लापता पुजारी का शव भड़कुईया गांव के समीप झाड़ी से बरामद किया गया। अपराधियों ने हत्या के बाद पुजारी की जीभ व प्राइवेट पार्ट काटने के बाद दोनों आंखें भी निकाल ली थी।

शव मिलने के बाद घटना से उग्र ग्रामीणों ने एनएच-27 को शनिवार को जाम कर पुलिस के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस पर लोगों ने पथराव कर दिया। पुलिस ने भी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज करने के साथ हवाई फायरिंग की। करीब छह घंटे तक इस कारण हाईवे जाम रहा।

● सोमवार से लापता थे शवि मंदिर के पुजारी

» जानकारी के अनुसार, मांझागढ़ थाना क्षेत्र के दानापुर गांव निवासी मनोज कुमार अपने ही गांव में स्थित शिव मंदिर में रहकर भगवान की पूजा–पाठ करते थे। पांच दिन पूर्व रविवार की रात वे पूजा पाठ के बाद सोने के लिए गए लेकिन सोमवार की सुबह वह मंदिर परिसर से लापता हो गए। मंदिर के अन्य पुजारियों ने इसकी सूचना लापता पुजारी के भाई पूर्व मुखिया अशोक साह को दी। पूर्व मुखिया ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस सोमवार से मामले की जांच करने में जुटी थी। इसी बीच शनिवार की तड़के सूचना मिली कि भड़कुईया गांव के समीप झाडी में पुजारी का शव पड़ा है। घटना की सूचना मिलने के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। इस बीच पुजारी की हुई निर्मम हत्या से आक्रोशित लोगों ने एनएच–27 को जाम कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी प्रारंभ कर दी।

भारत को बम की जरूरत है...

अब ललित झा के सोशल मीडिया पोस्ट खोलेंगे कई राज

नयी दिल्ली/एजेंसी

संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मास्टरमाइंड ललित झा का सोशल मीडिया पोस्ट अब जांच के दायरे में आ गया है। दिल्ली पुलिस उसके सोशल मीडिया हैंडल की जांच में जुटी हुई है। सूत्रों ने बताया कि ललित ने 26 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था जिसमें उसने लिखा था- भारत को बम की जरूरत है। ललित ने यह पोस्ट बंगाली भाषा में किया था। दिल्ली पुलिस ने बताया कि ललित ने अपने पोस्ट में लिखा था- 'भारत को बम की जरूरत है। भारत को अत्याचार, अन्याय और अराजकता के खिलाफ मजबूत आवाज की जरूरत है।' 5 नवंबर को एक अन्य पोस्ट में ललित ने लिखा था कि जो कोई भी अपने रोजगार और अधिकारों के बारे में बात करता है, चाहे वह कोई भी हो, उसे 'कम्युनिस्ट' करार दिया जाता है।

● सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की हो रही जांच

» ललित झा के सारे पोस्ट इसी तरह की बातों से भरा है। स्पेशल सेल उसके सोशल मीडिया लिंक की जांच में जुटी हुई है। स्पेशल सेल ने बताया कि हम यह भी जांच कर रहे हैं कि ललित झा के सोशल मीडिया पर कौन–कौन से लोग संपर्क में थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या संसद की सुरक्षा को भेदनेवाले मास्टरमाइंड सोशल मीडिया पर किन–किन लोगों से बातें कर रहा था। यदि ऐसा था तो वे कौन–कौन थे।

● पुलिस को गुमराह कर रहा मास्टरमाइंड ललित

» स्पेशल सेल ने कहा कि ललित सोशल मीडिया की मदद से लोगों को गुमराह करेगा। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, ललित गिरफ्तार होने के बाद से जांचकर्ताओं को 'गुमराह' कर रहा है। स्पेशल सेल ने विभिन्न टेलिकॉम कंपनियों को भी पत्र लिखकर ललित और अन्य चार आरोपी व्यक्तियों के बारे में जानकारी मांगी है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि स्पेशल सेल की टीम ललित से मिले सुरागों का जमीनी स्तर पर जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी मास्टरमाइंड से अब तक जो कुछ भी पूछताछ हुई हैं, उसमें उसने सिर्फ गुमराह ही किया

एक नजर

गाजा में अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट के ठेकेदार की मौत, बाइडेन से इजराइल पर दबाव बढ़ाने की मांग

वाशिंगटन। गाजा पट्टी में फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के सुरक्षाबलों के बीच छिड़े युद्ध में अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के ठेकेदार 33 वर्षीय हानी जेना, उनकी पत्नी और दो बच्चियों की मौत से मानवतावादी और विकास कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। अमेरिका के प्रमुख अखबार द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, अमेरिकी एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) ने कहा है कि हानी जेना अपने परिवार के साथ गाजा पट्टी के अल सबरा में रह रहे थे। जेना और उनका परिवार पांच नवंबर को इजराइल के हमले में मारा गया। अपनी मृत्यु से पहले 33 वर्षीय हानी जेना ने वेस्ट बैंक में अपने सहयोगियों को भेजे संदेश में कहा था-मेरी बेटियां डरी हुई हैं। मैं उन्हें शांत रखने की कोशिश कर रहा हूं। लेकिन यह बमबारी भयावह है। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार यूएसएआईडी ने कहा है कि गाजा पट्टी में दो महीने के संघर्ष के दौरान हानी जेना समेत सैकड़ों मानवतावादी और विकास कार्यकर्ता मारे गए हैं। यह चिंता और क्रोध का विषय है। यूएसएआईडी ने कहा है कि गाजा पट्टी पर हो रहे रक्तपात पर राष्ट्रपति जो बाइडेन को फौरन दखल देना चाहिए। बाइडेन प्रशासन को नागरिक रक्तपात को सीमित करने के लिए इजराइल पर दबाव बढ़ाना चाहिए। यूएसएआईडी के अनुसार सात अक्टूबर से अब तक गाजा में 135 संयुक्त राष्ट्र राहत कर्मी मारे जा चुके हैं। संगठन के 78 साल के इतिहास में किसी भी एक संघर्ष में हुई मौतों से यह अधिक संख्या है।

नागपुर में सोलर एक्सप्लोसिव फैक्टरी में विस्फोट, नौ लोगों की मौत

नागपुर। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के बाजारगांव स्थित 'सोलर एक्सप्लोसिव' फैक्टरी में रविवार सुबह करीब नौ बजे हुए भीषण विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई। इस फैक्टरी में बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और केमिकल होने के कारण जानमाल के भारी नुकसान की आशंका जताई गई है। विस्फोट में तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह फैक्टरी सोलर एक्सप्लोरेशन कंपनी के मालिक उद्योगपति सत्यनारायण नुवाल की है। यह कंपनी देश की कई कंपनियों को गोला-बारूद सप्लाई करती है। साथ ही रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कुछ कंपनियों को भी गोला-बारूद की आपूर्ति करती है। कंपनी में बड़ी मात्रा में रसायनों का प्रयोग किया जाता है। बताया गया है कि विस्फोट के समय फैक्टरी में गोला-बारूद का निर्माण किया जा रहा था। जान-माल के नुकसान की पूरी जानकारी आनी शेष है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस विस्फोट से केसीबीएच-2 की एक इमारत नष्ट हो गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संदीप पखाले ने बताया कि राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। मृतकों की पहचान युवराज किशांजी, ओमेश्वर किसनलाल, मीता प्रमोद उइके, आरती नीलकांथी सहारे, स्वेताली दामोदर मारबटे, पुष्पा रामजी, भाग्यश्री सुधाकर, रुमिता विलास उइके और मोसम राजकुमार के रूप में हुई है।

अरुणाचल प्रदेश में म्यांमार सीमा के पास पूर्व विधायक की गोली मारकर हत्या

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में तिरप जिले के लाजू सर्कल में भारत-म्यांमार सीमा के पास शनिवार अपराह्न करीब तीन बजे पूर्व विधायक युमसेन माटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अरुणाचल प्रदेश पुलिस के पीआरओ रोहित राजभीर सिंह ने माटे की हत्या की पुष्टि की है। अरुणाचल प्रदेश पुलिस के पीआरओ रोहित राजभीर सिंह के अनुसार, जहां माटे को गोली मारी गई, वह स्थान अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ घंटों की दूरी पर है। पूर्व विधायक के साथ कुछ कार्यकर्ता भी थे। माटे राहो का दौरा करने जा रहे थे। इस दौरान एक व्यक्ति ने उन्हें रोक लिया और एकांत में बातचीत करने की इच्छा जताई। इसके बाद माटे अकले उसके साथ एक पहाड़ी की ओर चले गए। कुछ देरबाद कार्यकर्ताओं ने गोली चलने की आवाज सुनी। वह दौड़कर पहाड़ी के पास पहुंचे। युमसेन माटे खून से लथपथ मिले।

बाइडेन-नेतन्याहू के रिश्ते और बिगड़े: डेमोक्रेटिक पार्टी का US प्रेसिडेंट पर जंग रोकने के लिए दबाव

तेल अवीव/वॉशिंगटन। इजराइल और हमास की जंग का शिकार गाजा के आम लोग ज्यादा बन रहे हैं। यही वजह है कि इजराइल का सबसे अहम सहयोगी अमेरिका भी अब इजराइल पर सीजफायर या जंग खत्म करने का दबाव बढ़ाता जा रहा है। दूसरी तरफ, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी वॉर कैबिनेट सीजफायर के लिए कतई तैयार नहीं है। अमेरिका में इसी साल प्रेसिडेंशियल इलेक्शन होने वाले हैं। प्रेसिडेंट जो बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी को डर है कि अगर जंग जल्दी नहीं रुकी तो उन्हें इसका सियासी खामियाजा भुगतना होगा। अब बाइडेन-नेतन्याहू आमने-सामने नजर आते हैं। रोज की बयानबाजी के चलते दोनों के रिश्ते खराब हुए हैं। यह तमाम बातें 'न्यूयॉर्क पोस्ट' के एनालिसिस में कही गईं हैं। आगे इसे तफ्सील से समझते हैं। अमेरिका और इजराइल के बीच मतभेद इस बात पर भी हैं कि जंग के बाद गाजा पर हुकूमत कौन करेगा। इजराइल इसे अपने कब्जे में रखना चाहता है, ताकि हमास फिर कभी सिर न उठा सके। दूसरी तरफ, अमेरिका को अरब और मुस्लिम वर्ल्ड को भी साथ लेकर चलना है। अमेरिका और इजराइल के बीच मतभेद इस बात पर भी हैं कि जंग के बाद गाजा पर हुकूमत कौन करेगा। इजराइल इसे अपने कब्जे में रखना चाहता है, ताकि हमास फिर कभी सिर न उठा सके। दूसरी तरफ, अमेरिका को अरब और मुस्लिम वर्ल्ड को भी साथ लेकर चलना है। न्यूयॉर्क पोस्ट के इस एनालिसिस को मशहूर स्ट्रैटेजिक अफेयर एक्सपर्ट और कई किताबों के लेखक माइकल गुडविन ने लिखा है। इसके मुताबिक- बाइडेन और नेतन्याहू कभी न तो अच्छे दोस्त रहे और न सहयोगी। दोनों के बीच हमेशा सियासी मतभेद रहे। 7 अक्टूबर को जब हमास ने इजराइल पर हमला किया और वहां 1200 आम नागरिक मारे गए तो इजराइल ने गाजा पर हमला किया। यही वो वक्त था जब पहली बार दोनों नेता करीब नजर आए। 19 अक्टूबर को बाइडेन तेल अवीव गए तो नेतन्याहू से गले मिले। इसमें कहा गया था- बाइडेन की वॉर्निंग : दुनिया का सपोर्ट खो रहा है इजराइल...। इसके बाद दोनों देशों में बयानबाजी शुरू हुई और ये अब तक जारी है। जंग जारी है और ये कब खत्म होगी? किसी को नहीं पता। इसके बावजूद बहस इस बात पर हो रही है कि जंग के बाद गाजा पर हुकूमत कौन करेगा। इजराइल इसे अपने कब्जे में रखना चाहता है, ताकि हमास फिर कभी सिर न उठा सके। दूसरी तरफ, अमेरिका को अरब और मुस्लिम वर्ल्ड को भी साथ लेकर चलना है, लिहाजा वो चाहता है कि जंग के बाद फिलिस्तीन अथॉरिटी गाजा का शासन संभाले। इस मुद्दे पर बाइडेन और नेतन्याहू कई बयान दे चुके हैं और इससे तनाव बढ़ रहा है। फिक्र की बात यह है कि यह बयानबाजी पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर हो रही है। मतभेद पहले भी थे, लेकिन ये बातें डिप्लोमैसी के जरिए छिपा ली जाती थीं। 7 अक्टूबर के बाद जब इजराइल ने गाजा पर हमला किया तो कुछ दिन नेतन्याहू को अमेरिका में समर्थन मिला, लेकिन अब यह कम होता जा रहा है। ये जानते हुए भी कि जंग की शुरुआत हमास के वहशियाना हमले से हुई थी। उसने 1200 लोगों को मारा। महिलाओं से रेप किया और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। बाइडेन को मालूम है कि आम अमेरिकी इस जंग का खात्मा चाहते हैं। ज्यादातर वो लोग हैं जो डेमोक्रेटिक पार्टी के सपोर्टर और वोटर हैं। दूसरी बात, ये है कि बाइडेन 2024 में भी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चुनौती देना चाहते हैं। लिहाजा, इजराइल का अड़ियल रवैया उन्हें सियासी नुकसान पहुंचा रहा है। वो इलेक्शन कैम्पेन शुरू करने से पहले जंग खत्म या कम से कम लंबा सीजफायर कराना चाहते हैं। नेतन्याहू इसके लिए तैयार नहीं हैं। आम तौर पर अमेरिकी मुस्लिम डेमोक्रेट पार्टी का समर्थन करते हैं। पिछले दिनों 9 राज्यों के मुस्लिमों ने एक संगठन के बैनर तले यह ऐलान किया कि वो अगले चुनाव में बाइडेन को समर्थन नहीं देंगे। बाइडेन और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए ये खतरे की घंटी है।

वायु सेना ने खुद अपने लिए तैयार किया स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम 'समर'

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने अभ्यास 'अस्त्र शक्ति' के दौरान स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली 'समर' का सफल फायरिंग परीक्षण किया है। वायु सेना स्टेशन सूर्य लंका में आयोजित अभ्यास के दौरान इन-हाउस डिजाइन और विकसित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली ने पहली बार भाग लेकर विभिन्न संलग्न परिदृश्यों में फायरिंग परीक्षण उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया। इस वायु रक्षा मिसाइल का भारतीय वायुसेना के रखरखाव कमान के तहत एक इकाई ने विकसित किया है। यह प्रणाली मैक 2 से 2.5 की गति सीमा पर चलने वाली मिसाइलों के साथ हवाई खतरों का मुकाबला कर सकती है। 'समर' प्रणाली में एक ट्विन बुर्ज लॉन्च प्लेटफ़ॉर्म शामिल है, जिसमें खतरे के परिदृश्य के आधार पर सिंगल और सैल्वो मोड में दो मिसाइलों को लॉन्च करने की क्षमता है। सुनिश्चित प्रतिशोध के लिए यह सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। इसे वायु सेना के 7 बेस रिपेयर डिपो और 11 बेस रिपेयर डिपो ने सिमरन फ़्लोटेक इंडस्ट्रीज और यामाजुकी डेन्की के साथ साझेदारी में विकसित किया है। 'समर' छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जो रूसी मूल की विम्पेल आर-73 और आर-27 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का उपयोग करती है। भारतीय वायु सेना बेस रिपेयर डिपो (बीआरडी) ने सुनिश्चित प्रतिशोध के लिए सतही वायु मिसाइल (एसएएमएआर) वायु रक्षा प्रणाली विकसित की है, जो नवीनीकृत रूसी आपूर्ति वाली विम्पेल आर-73 ई इन्फ्रारेड निर्देशित हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों (एएएम) से बनी है। सतह से हवा में कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली के रूप में उपयोग करने के लिए मंजूरी दे दी गई है। एयरो इंडिया-2023 में प्रदर्शित की गई 'समर' वायु रक्षा प्रणाली ने सभी फायरिंग परीक्षण पूरे कर लिए हैं। यूएवी, हेलीकॉप्टरों और लड़ाकू जेटों से निम्न-स्तरीय उड़ान वाले हवाई लक्ष्यों के खिलाफ इसकी सीमा 12 किमी. है।

नेपाली सेना में विवादित चीनी कंपनी से महंगी और स्तरहीन सैन्य सामग्री खरीदने की प्रक्रिया शुरू

काठमांडू। नेपाली सेना ना सिर्फ महंगे दामों में, बल्कि कई देशों और यूएन मिशन में रिजेक्टेड सैन्य सामग्री चीन की कंपनी से खरीदने जा रही है। दक्षिण एशियाई और अफ्रीकी देशों को सस्ते हथियार बेचने वाली चीनी कंपनी से हथियार खरीदने के लिए नेपाली सेना ने लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह पहली बार नहीं है जब नेपाली सेना ने चीन से महंगे और घटिया सामान की खरीद प्रक्रिया शुरू की है, बल्कि सात महीने पहले भी इसकी प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब इस बात की आलोचना होने के बाद कुछ समय के लिए इसे रोक दिया गया था। अब एक बार फिर से पिछले हफ्ते सेना ने चीनी कंपनी नॉर्थ इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के साथ हथियार खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना ने 538,000 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट की दर से 26 बख्तरबंद गाड़ियां (एपीसी), 250,000 अमेरिकी डॉलर प्रति यूनिट की दर से 72 सामरिक वाहन और 12.7 मिमी की 50 हजार बुलेट्स की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेना की तरफ से हिमालयन बैंक की मुख्य शाखा में एलसी खोलने के लिए आवेदन दिया गया है। हिमालयन बैंक पाकिस्तान के हबीबी बैंक का संयुक्त उपक्रम है। चीन इसी पाकिस्तानी बैंक पर दबाब डालकर नेपाली सेना का एससी खुलवाने का प्रयास कर रहा है। कुल 33 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सैन्य सामग्री खरीदने के लिए पांच एलसी खोलने का प्रस्ताव बैंक के पास भेजा गया है, जिसकी स्वीकृति के लिए केन्द्रीय नेपाल राष्ट्र बैंक से अनुमति लेने की प्रक्रिया में है। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति प्रभुराम शर्मा के हाल ही में हुए चीन दौरे के बाद सेना ने एपीसी समेत सैन्य साजो-सामान खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। इस सम्बन्ध में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', रक्षा मंत्री पूर्ण बहादुर खड़का और प्रधान सेनापति शर्मा के बीच चर्चा होने के बाद यह प्रक्रिया शुरू की गई है। नेपाली सेना चीन की जिस कंपनी से एपीसी और अन्य सैन्य सामग्रियां खरीद रही है, वह बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड और पाकिस्तान जैसे अन्य देशों में हथियार सप्लाई करती है, लेकिन हर जगह से शिकायत मिलने के बाद कई देशों ने इस चीनी कंपनी पर अपने यहां प्रतिबंध लगा दिया है।

हमेशा देश को अस्थिर और बदनाम करते हैं टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरगना राहुल गांधी : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने संसद पर हमले को लेकर राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने रविवार को कहा है कि संसद पर हुए हमले जैसे संवेदनशील मुद्दे को राहुल गांधी भ्रष्टाचार और महंगाई से जोड़ रहे हैं। इस मामले में राहुल गांधी का देर से बयान आया है। गिरिराज सिंह ने रविवार को बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर पहले अपने लोगों से बुलवा लिया। तब ज्ञान बांट रहे हैं। राहुल गांधी तो ऐसे लोग हैं जो कभी जेएनयू जाकर अफजल की बरखी पर समर्थन करते हैं, तो कभी टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़ा रहते हैं। देश को अस्थिर करने और नरेन्द्र मोदी को बदनाम करने के लिए हमेशा काम किया है। किसान आंदोलन का जिस तरह से परत दर परत खुला, उसी तरह से संसद पर हुए हमले का भी परत दर परत खुलेगा। उसके बाद राहुल गांधी टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ खड़े देखेंगे, अफजल के सहयोगी के साथ दिखेंगे। क्योंकि वह तो कभी देश हित में खड़े दिखे ही नहीं। मोदी को बदनाम करते-करते अब देश को बदनाम कर रहे हैं। किसान आंदोलन में उनके टूल किट कनेक्शन का खुलासा हुआ था। उसी तरह संसद पर हुए हमले में भी बहुत सारी चीज सामने आएगी। राजद द्वारा संसद पर हुए हमले को भाजपा की साजिश बताए जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि राजद के ज्ञान पर कुछ भी कहना मुश्किल है। जल्द ही राजद के नेताओं को पता चल जाएगा कि यह राजद की साजिश है या किसी अन्य की।इसके साथ ही गिरिराज सिंह ने मंदिरों में बलि प्रथा बंद करवाने की मांग करने वालों एवं सड़क किनारे मांस बेचे जाने का विरोध करते हुए हिंदुओं से अपील किया है कि हलाल वाला नहीं, झटका वाला मांस खाओ। उन्होंने कहा कि देश में हिंदू धर्मावलंबी कई चीजों पर पुनर्विचार करते रहे हैं। श्याम मंदिर में बलि प्रथा बंद किया जाना, कमेटी का निर्णय है। कुछ लोग कहते हैं कि बलि प्रथा बंद होनी चाहिए, बंद करने की बात कहने वालों की जुबान बकरीद पर क्यों नहीं खुलती है। जो एनिमल लवर स्वच्छता की दुहाई देते हैं, उनकी जुबान बकरीद पर क्यों नहीं खुलती है, जब लाखों-करोड़ों बकरे काटे जाते हैं। इस मामले को सामाजिकता में देखना चाहिए, समाज के अनुरूप काम होना चाहिए। सड़क किनारे मांस बेचे जाने पर सवाल उठाते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि बेगूसराय सहित देश के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर सड़क किनारे खुलेआम मांस बेचे जा रहे हैं। बेगूसराय में बरौनी रिफाइनरी गेट के बाहर कई दुकानों में खुलेआम मांस बिक रहा है। इसके लिए ना तो कॉरपोरेशन लाइसेंस देता है और ना ही इसकी व्यवस्था करता है। कलेक्टर भी इसकी व्यवस्था नहीं करते हैं। ऐसी दुकानों को सड़क किनारे से हटाया जाए। जैन और सनातन धर्मावलंबी लोग बराबर कहते हैं कि सुबह में निकलने पर बहुत खराब लगता है। स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए भी यह बाधक है। प्रशासन वधशाला बनाए, मीट और मछली बेचने की अलग व्यवस्था करे। सड़क किनारे की व्यवस्था का खराब और दुष्परिणाम सामने आ रहा है। गिरिराज सिंह ने हिंदू समाज से अपील किया है कि हलाल और जबह वाला मांस नहीं खाएं, झटका वाला खाएं। हिंदू के घर में झटका ही चलता है। देवघर में भैंसा की बलि पड़ती थी तो एक बार में हीं काटना शुद्ध माना जाता है। बेगूसराय के लखनपुर में भी बलि प्रथा चल रहा है, वहां एक बार में काटा जाता है, एक बार में नहीं काटने पर अशुद्ध माना जाता है। अनादि काल से यह प्रथा चल रही है, इसलिए जो भी हिंदू भाई मुर्गा मीट खाते हैं, वह हलाल वाला बिलकुल नहीं खाए।

रक्षा मंत्री ने वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड की समीक्षा करके सलामी ली

वायु सेना के नए अधिकारी परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाएं : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को डंडीगल (तेलंगाना) वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड की समीक्षा की। परेड में शामिल 25 महिलाओं सहित 213 फ्लाइट कैडेटों को प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं में शामिल किया गया। राजनाथ सिंह ने उनसे आग्रह किया कि वे नए विचारों, नवीन सोच और आदर्शवाद के साथ निरंतर विकसित हो रहे समय के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाएं। भारतीय वायु सेना की उड़ान और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 213 फ्लाइट कैडेटों के प्रशिक्षण की सफल परिणति को चिह्नित करने के लिए आज डंडीगल (तेलंगाना) की वायु सेना अकादमी में एक संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) हुई। परेड की समीक्षा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की, जिन्होंने स्नातक उड़ान कैडेटों को राष्ट्रपति कमीशन भी प्रदान किया। स्नातक अधिकारियों में 25 महिलाएं शामिल थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना की विभिन्न शाखाओं में नियुक्त किया गया। भारतीय नौसेना के आठ अधिकारियों, भारतीय तटरक्षक बल के नौ और मित्र देशों के दो अधिकारियों को भी उड़ान प्रशिक्षण पूरा होने के बाद 'विंग्स' से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से सशस्त्र बलों में परंपरा को उचित महत्व देने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लगातार बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ नया करने की जरूरत है। राजनाथ सिंह ने परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाने को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अगर हम केवल परंपरा का पालन करेंगे तो हम एक मृत झील की तरह होंगे। हमें बहती नदी की तरह बनना होगा। इसके लिए हमें परंपरा के साथ-साथ नवीनता भी लानी होगी। उड़ते रहो और अधिक से अधिक ऊंचाइयों को छुओ, लेकिन जमीन से अपना जुड़ाव बनाए रखो। इससे पहले रक्षा मंत्री का स्वागत वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने किया। परेड का मुख्य आकर्षण 'कमीशनिंग समारोह' था, जिसमें स्नातक फ्लाइट कैडेटों को राजनाथ सिंह ने उनकी 'स्ट्राइप्स' से सम्मानित किया। इसके बाद अकादमी के कमांडेंट ने स्नातक अधिकारियों को 'शपथ' दिलाई। उड़ान शाखा के फ्लाइंग ऑफिसर अतुल प्रकाश को पायलट पाठ्यक्रम में समग्र योग्यता क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए राष्ट्रपति पट्टिका और वायुसेना प्रमुख स्वोर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर अमरिंदर जीत सिंह को ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के बीच योग्यता के समग्र क्रम में प्रथम स्थान पाने के लिए राष्ट्रपति पट्टिका से सम्मानित किया गया।

लीबिया से यूरोप जा रहे 61 प्रवासियों की मौत: समुद्र की तेज लहरों के सामने नहीं टिक सकी नाव

लीबिया। लीबिया के पास एक नाव डूबने से उसमें सवार 60 से ज्यादा प्रवासियों की मौत हो गई। इस नाव में औरतें और बच्चे भी शामिल थे। बोट 86 लोगों के साथ लिबिया के ज्वारा पोर्ट से यूरोप के लिए रवाना हुई थी। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक ये बोट समुद्र में उठी तेज लहरों के सामने टिक नहीं पाई और पलट गई। इस तरह गैर कानूनी तरीके से यूरोप जाने की कोशिश करते हुए 2023 में 2200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (IOM) ने लीबिया से यूरोप जाने के रास्ते को सबसे खतरनाक माइग्रेशन रूट घोषित किया है। कुछ मॉनिटरिंग ग्रुप्स के मुताबिक, 2014 के बाद से इस रूट पर 20 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है या वो लापता हो गए हैं। मरने वालों में ज्यादातर लोग नाइजीरिया, गाम्बिया और दूसरे अफ्रीकी देशों के थे। इस हादसे में बचे 25 लोगों को लिबिया के डिटेंशन सेंटर में भेजा गया है। ग्रीस के पास इसी साल 14 जून को नाव डूबने की घटना में पाकिस्तान के 300 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान की लोकल मीडिया ने ये जानकारी दी थी। पाकिस्तान की न्यूज वेबसाइट डॉन के मुताबिक नाव में पाकिस्तान के 400, मिस्र के 200, सीरिया के 150 लोग सवार थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने हादसे के बाद मानव तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही थी। इसके बाद पाकिस्तान ने PoK से 9 मानव तस्करों को गिरफ्तार गया था। इन पर गैर-कानूनी तरीकों से पाकिस्तान के लोगों को यूरोप पहुंचाने की कोशिश करने के आरोप लगाए गए थे। दरअसल, पाकिस्तान में आर्थिक तंगी और राजनीतिक अस्थिरता से परेशान होकर काफी लोग गैर कानूनी तरीकों से यूरोप की ओर कूच कर रहे हैं। इसमें कुछ सफल हो पाते हैं तो कुछ जान गंवानी पड़ती है। UN के मुताबिक बोट में 400 से 750 लोग मौजूद थे। इनमें 200 से ज्यादा पाकिस्तान के थे। हादसे के बाद 78 लोगों के शव बरामद किए गए।

अगले पांच वर्षों में देश का अग्रणी राज्य बनेगा राजस्थान: शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने रविवार को कहा कि राजस्थान में अब डबल इंजन की सरकार बनी है। प्रदेश के लोग अब प्रतिदिन दिवाली जैसा अनुभव करेंगे। आने वाले पांच साल में राजस्थान हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा। शेखावत ने पत्रकारों से बातचीत में विकसित भारत संकल्प यात्रा की चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में जो सकंल्प लिए थे, उनमें से अधिकांश संकल्प पूरे हो गए। इससे देश के करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन आया है। साढ़े 13 करोड़ लोग गरीबी रेखा से आगे निकले हैं। अब भारत तेजी से आगे बढ़ा है। विकसित भारत बनाने का यह आंदोलन जन आंदोलन बने। देश का प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका को समझकर इसके साथ जुड़े। इस चेतना को जाग्रत करने के लिए यह संकल्प यात्रा निकाली गई है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि मोदी सरकार की योजनाएं सौ फीसदी लोगों तक पहुंचें। इसलिए संकल्प यात्रा के दौरान वंचित लोगों का पंजीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे के साथ बातचीत का वीडियो वायरल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि गहलोत के साथ मेरा कोई मनभेद नहीं है। मतभेद हो सकता है। दोनों के बीच विचारधारा का अंतर है। उनका 50 साल का राजनीतिक अनुभव है। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखना है। उन्होंने मुझे चाय पर बुलाया है, एक दिन जाकर आउंगा।

बांग्लादेश में पहाड़ी पर मिला बंदूक बनाने का कारखाना, चार गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव में हिंसा की आशंका के मद्देनजर अवैध हथियारों की बरामदगी के लिए शुरू किए गए रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) के अभियान में बड़ी कामयाबी मिली है। आरएबी ने कॉक्स बाजार के रामू उपजिला के अंतर्गत ईदगढ़ के तुलाटाली क्षेत्र में एक पहाड़ी के अंदर हथियार बनाने का कारखाना खोजा। यहां से चार लोगों को गिरफ्तार कर आग्नेयास्त्रों के निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री जब्त की। बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, चुनाव आयोग के आदेश पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने देशव्यापी अभियान शुरू किया है। 23 दिवसीय यह अभियान 24 दिसंबर को पूरा होगा। आरएबी को कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान यह सफलता मिली। यह गिरोह देशभर में हथियार की आपूर्ति करता है। कारखाने से गिरफ्तार किए गए लोगों में साहबुद्दीन (40), लाल मिया (58) मेनुद्दीन (43) और जफर आलम (41) शामिल हैं। कारखाना का मालिक और मुख्य हथियार मैकेनिक मनिउल हक भूमिगत हो गया है। आरएबी-15 कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एचएम सजाद होआसिन के अनुसार यह अपराधी गिरोह लंबे समय से अवैध रूप से आग्नेयास्त्रों का निर्माण कर उन्हें बदमाशों को बेच रहा था। यह कारखाना सुदूर पहाड़ी पर था। हथियार बनाने वाले भनक मिलते ही जंगलों में छिप जाते थे। प्राथमिक पूछताछ में गिरफ्तार लोगों ने स्वीकार किया कि उनके पिता और चाचा भी अवैध आग्नेयास्त्रों के निर्माण और बिक्री में शामिल थे।

विचार-मंथन

इजरायल– हमास युद्ध में भारत का रुख मानवतापूर्ण

इजराइल-हमास संघर्ष रोकने की तमाम कोशिशें अभी तक नाकाम साबित हुई हैं। ऐसे में गाजा में मानवीय मदद मुहैया कराने के लिए युद्ध पर रोक और बिना शर्त बंधकों की रिहाई का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित होने से सकारात्मक नतीजे की उम्मीद बनी है। इस प्रस्ताव पर भारत ने पक्ष में मतदान किया। इस तरह फिलिस्तीन पर इजराइल के हमले को लेकर भारत का रुख और स्पष्ट हो गया है। अक्तूबर में जब हमास ने इजराइल पर हमला किया, तो भारत ने इजराइल का साथ दिया था। तब माना जाने लगा था भारत का रुख बदल गया है। वह अपनी पुरानी फिलिस्तीन समर्थक नीति से उलट पक्ष में जा खड़ा हुआ है। तब अमेरिका और इजराइल से भारत की दोस्ती को सामने रख कर देखा जा रहा था। कई लोगों का मानना था कि भारत इजराइल और अमेरिका के विरोध में जाएगा, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए वह फिलिस्तीन के विरोध में खड़ा है। मगर फिर जल्दी ही भारत ने फिलिस्तीन की स्वतंत्रता और संप्रभुता की हिमायत कर स्पष्ट कर दिया था कि उसका रुख बिल्कुल नहीं बदला है। इजराइल ने गाजा पर हमले तेज किए और वहां रसद, पानी, बिजली की आपूर्ति रोक दी, तो भारत ने वहां राहत सामग्री और दवाओं की खेप भी भेजी थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में मिस्र द्वारा लाए गए प्रस्ताव का समर्थन कर भारत ने मानवता के पक्ष में अपनी संजीदगी जाहिर की है। इजराइल ने गाजा में भारी तबाही मचाई है और उसे युद्ध कानूनों की भी परवाह नहीं रह गई है। अस्पतालों तक को नहीं बख्शा गया है। उसमें अब तक अठारह हजार से ऊपर लोगों के मारे जाने और पैंतालीस हजार से अधिक लोगों के घायल होने का अनुमान है। उनमें ज्यादातर बच्चे और महिलाएं हैं। गाजा में मौजूद लोगों तक सहायता सामग्री पहुंचाना मुश्किल है। बंधकों की रिहाई के प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। इसलिए इस प्रस्ताव के पारित होने को एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। इसके समर्थन में कुल एक सौ तिरानबे सदस्यों में से एक सौ तिरपन ने मतदान किया, जबकि केवल दस देश इसके विरोध में रहे। तेईस देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। दरअसल, भारत इस बार इसलिए मतदान में शामिल हुआ कि इस प्रस्ताव में हमास का जिक्र नहीं था। यह मानवीय मदद पहुंचाने के लिए लाया गया प्रस्ताव था। कुछ लोगों का मानना है कि प्रस्ताव का समर्थन कर भारत ने इजराइल से नाराजगी मोल ले ली है। मगर ऐसा बिल्कुल नहीं माना जाना चाहिए। भारत अब भी हमास को आतंकी संगठन मानता है। मगर वह दूसरी तरफ फिलिस्तीन की एक देश के रूप में संप्रभुता का भी वह हिमायती है। अभी गाजा में जिस तरह के हालात हैं, उसमें मानवीयता संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन की सख्त जरूरत है। इजराइल उस तकाजे को शायद भूल चुका है। अमेरिका भी उसे मदद पहुंचाने में जुटा हुआ है और वे हमास का खात्मा करने के एकपक्षीय लक्ष्य तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। उसमें मानवाधिकारों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन हो रहा है। भारत उसका कभी समर्थन नहीं कर सकता। इस तरह ताजा प्रस्ताव के समर्थन में मतदान करके उसने इजराइल और अमेरिका दोनों को संदेश देने की कोशिश की है कि वह किसी भी तरह के आतंकवाद के विरुद्ध है, तो मानवीय हकों के हनन के भी पक्ष में नहीं है।

मोदी राजः आलाकमान सब कुछ और अटकले बेमतलब !

रजनीश कपूर

हर राजनैतिक दल एक परिवार की तरह होता है और परिवार के हर सदस्य को पूरी अहमियत दी जानी चाहिए। कोई भी सरकार या दल केवल अटकलों के आधार पर नहीं चल सकता उसके लिए सभी पहलूओं को देखना आवश्यक होता है। ..जिस तरह तीन राज्यों में मोदी सरकार ने नये चेहरों को राज्य के मुखिया के रूप में पदासीन किया है उससे पूरे भाजपा काडर में दो तरह के संदेश गये हैं। पहला यह कि भले ही आप पहली बार ही चुनाव जीते हों आप राज्य के मुख्य मंत्री भी बन सकते हैं। दूसरा यह कि भले ही आपकी लोकप्रियता बहुत अधिक हो, होगा वही जो पार्टी की आला कमान तय करेगा, आप तो पार्टी के कार्यकर्ता ही रहेंगे। पाँच राज्यों के चुनाव संपन्न होते ही भाजपा द्वारा जीते गये तीन राज्यों में 'कौन बनेगा मुख्य मंत्री' को लेकर काफ़ी अटकलें लगी। सभी राजनैतिक पंडित, पत्रकार और विश्लेषक अनुमान लगाने लग गये कि तीन राज्यों में किसका चेहरा सामने आएगा? परंतु इसके साथ ही सभी का यह मानना था कि मोदी राज में किसी भी तरह की अटकलों की कोई भी जगह नहीं है। यह बात भी चर्चा में आती है कि जब भी किसी महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति होने वाली होती है तो यदि व्यक्ति का नाम उस पद के लिए उठने लगता है तो उसे वह पद नहीं मिलता। प्रधानमंत्री मोदी तबएक ऐसे चेहरे को सामने लाते हैं जिसका किसी को कोई भी अंदाज़ नहीं होता। कुछ वर्ष पहले जब 'राडिया

टेप्स' का खुलासा हुआ था तो, काफ़ी हंगामा मचा था कि किस तरह महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियों को कुछ पत्रकार और कॉरपोरेट जगत के लोग नियंत्रित करते हैं। इसके चलते उस समय की सरकार विपक्ष के सवालों के घेरे में थी। परंतु किसी भी दल की सरकार हो वह बिना कॉरपोरेट के सहयोग के नहीं चलती। जो भी कॉरपोरेट घराने जिस भी सरकार का सहयोग करते हैं स्वाभाविक है कि वो बदले में कुछ न कुछ तो लेंगे ही। इसलिए हर नियुक्ति पर उनकी सलाह को अहमियत दी जातीथी। परंतु मोदी सरकार में ऐसा कोई भी प्रमाण नहीं मिला है जहां नियुक्तियों को लेकर किसी कॉरपोरेट घराने का दख़ल दिखाई दिया हो। अलबत्ता विपक्षी दल भाजपा सरकार पर नियुक्तियों के मामले में कुछ कॉरपोरेट घरानों के प्रति 'नज़दीकी' का आरोप लगाती आई है। जिस तरह तीन राज्यों में मोदी सरकार ने नये चेहरों को राज्य के मुखिया के रूप में पदासीन किया है उससे पूरे भाजपा काडर में दो तरह के संदेश गये हैं। पहला यह कि भले ही आप पहली बार ही चुनाव जीते हों आप राज्य के मुख्य मंत्री भी बन सकते हैं। दूसरा यह कि भले ही आपकी लोकप्रियता बहुत अधिक हो, होगा वही जो पार्टी की आला कमान तय करेगा, आप तो पार्टी के कार्यकर्ता ही रहेंगे। ऐसे में जो भी स्थानीय नेता पार्टी के बैनर तले अपनी राजनीति करते हैं उन्हें यह समझना होगा कि जब तक उनके सर पर भाजपा जैसे किसी बड़े दल का हाथ है तभी तक उनकी राजनीति बढ़ती रहेगी। जैसे ही कोई लोकप्रिय नेता पार्टी आला कमान के साथ नाफ़रमानी करेगा उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। फिर वो नेता चाहे किसी भी राज्य का मुख्य मंत्री रह चुका हो और अपने समर्थकों द्वारा हंगामा खड़ा करवाए या मीडिया में अपने समर्थकों द्वारा भावुक वीडियो डलवाए। इन हथकंडों से कुछ नहीं होने वाला। किसी भी क्षेत्र में जब नये चेहरों को सामने लाया जाता है तो यही समझा जाता है कि उस क्षेत्र के वरिष्ठ लोगों ने अपना उत्तराधिकारी चुनने का फ़ैसला कर लिया है और सभी लोग उसे स्वीकार लेते हैं। ऐसा आप हर क्षेत्र में देखते हैं फिर वो चाहे खेल जगत हो, कॉर्पोरेट जगत हो या राजनीति। परिवर्तन हों तो तय ही है। परंतु जब भी किसी क्षेत्र के एक लोकप्रिय चेहरे को किसी महत्वपूर्ण पद से हटाया जाता है तो कभी-कभी वो विद्रोह का रास्ता भी अपनाने की सोचता है। इसलिए आए दिन आपको कॉरपोरेट जगत, फ़िल्म जगत या राजनीति में ऐसे विद्रोह दिखाई देते हैं जो विभाजन करने पर मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में एक मज़बूत घराना चाहे वो कॉरपोरेट या राजनैतिक ही क्यों न हो बिखराव की ओर चल देता है। ऐसा होना उस परिवार के लिए बहुत घातक साबित होता है। राजनीति में जब भी किसी बड़े क़द्दावर नेता को मुख्य धारा की राजनीति से हटाना होता है तो उन्हें काफ़ी सम्मान के साथ या तो 'मार्गदर्शक मंडल' में भेज दिया जाता है या किसी राज्य का राज्यपाल बना दिया जाता है। ऐसे में उस नेता को समझ लेना चाहिए कि उनकी राजनैतिक पारी की समाप्ति हो चुकी है और उन्हें इस 'राजनैतिक वनवास' को स्वीकार लेना चाहिए। पिछले कुछ दशकों में ऐसे कुछ उदाहरण सामने आए हैं जहां विभिन्न दलों के कुछ क़द्दावर नेताओं ने बग़ावत करने की तो सोची, परंतु किन्ही कारणों से या तो उन्हें भरपूर समर्थन नहीं मिला या समर्थकों ने भी इस बात का अंदाज़ा लगा लिया कि नई पीढ़ी के साथ चलने में ही भलाई है। नतीजा यह होता है कि इन बाग़ी नेताओं को पहले जो पद सहज मिल रहा था अब उन्हें उस पद के लिए काफ़ी मशक़्क़त करनी पड़ेगी। ऐसे में जब 'चिड़िया दाना चुग लेती है' तो पछताने से कुछ भी हाथ नहीं लगता। मोदी सरकार में किसी भी पद पर नियुक्ति की भविष्यवाणी का नहीं किए जाना एक सीधा संदेश है कि प्रधानमंत्री मोदी की हर कार्यकर्ता पर नज़र है और उसे उसकी मेहनत के अनुसार ही उचित इनाम या दंड दिया जाएगा। यदि कोई भी कार्यकर्ता अपनी क्षमता से अधिक महत्वाकांक्षी होगा तो उसे उसके परिणाम के लिए तैयार रहना चाहिए। भाजपा जैसे एक मज़बूत दल को किसी कार्यकर्ता द्वारा चुनौती देना आसान नहीं होगा। वहीं किसी भी बड़े दल के राष्ट्रीय नेतृत्व को भी यह समझ लेना चाहिए कि स्थानीय क़द्दावर नेताओं को उनका उचित सम्मान भी दिया जाए और टिकट बँटवारे में उनके अनुभव को भी सही स्थान मिले।

अपने स्वास्थ्य संबंधी सवालों से जूझ रहीं महिलाएं

भावना मासीवाल

हर स्तर पर स्वास्थ्य की समस्या को हल करने के प्रयासों और दावों के बीच स्त्री की सेहत इस समय और समाज का ज्वलंत मुद्दा है, क्योंकि आज भी हमारे समाज में स्त्री दोयम दर्जे के नागरिक के रूप में रहती है। यही कारण है कि पहचान के प्रश्न के साथ-साथ स्त्री अपने स्वास्थ्य संबंधी सवालों से जूझ रही है। यह सवाल केवल किसी एक स्त्री का नहीं है, बल्कि इस प्रश्न से प्रत्येक परिवार की स्त्री किसी न किसी रूप में जूझ रही है। हमारे समाज, परिवार में महिलाओं की इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया जाता। कहा जाता है कि महिलाएं कभी थकती नहीं, कभी बीमार नहीं पड़तीं। ऐसे जुमलों को बचपन से सुनती हुई स्त्रियां बड़ी होती हैं। महिलाओं की अपनी बहुत-सी समस्याएं हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता या उन्हें गैरजरूरी करार दिया जाता है। पुराने समय में शौचालय नहीं हुआ करते थे, तो महिलाओं को खुले में शौच जाना पड़ता था। माहवारी के समय पर उनकी स्थिति अधिक दयनीय हो जाती थी। एक ओर शौचालय की समस्या, दूसरी तरफ माहवारी में साफ-सफाई के अभाव में महिलाओं का बहुत-सी बीमारियों का सामना करना। सरकार ने खुले में शौच की समस्या का निदान निकाला और हर घर शौचालय की व्यवस्था करने का वादा किया। काफी हद तक यह व्यवस्था लागू हुई भी। बावजूद इसके, आज भी सार्वजनिक स्थानों से लेकर कार्यस्थलों तक में महिला शौचालय की स्थिति दयनीय देखी जा सकती है। देश के छोटे से लेकर बड़े संस्थानों तक में शौचालय की व्यवस्था नदारद है। अगर कहीं उपलब्ध भी है, तो वह अस्थायी व्यवस्था है या फिर बदहाल है। बहुत से बड़े-बड़े संस्थानों में तो व्यवस्था ही नदारद है। महिलाओं के लिहाज से देखें तो शौचालय उनकी प्राथमिक आवश्यकता है। इसके अभाव के कारण महिलाओं को यूटीआइ यानी मूत्राशय और गुर्दे में संक्रमण की समस्या उत्पन्न होती है। हमारे आसपास बहुत-सी कामकाजी महिलाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। देश के संविधान में अनुच्छेद 152 में सार्वजनिक जन-सुविधाओं के बारे में बताया गया है। इसलिए हमारे देश में होटल रेस्तरां और ढाबा निजी संपति होने के बाद भी सार्वजनिक सेवाओं में आते हैं। संविधान के अनुच्छेद 152 में कहा गया है कि किसी भी नागरिक को

उपर्युक्त स्थल पर लिंग, जाति, धर्म, भाषा, वेशभूषा या क्षेत्र के आधार प्रवेश करने से नहीं रोका जा सकता है। सार्वजनिक विमर्शों में भले इस समस्या पर ज्यादा बात नहीं होती है, लेकिन सच यह है कि इस मुश्किल से सर्वाधिक कामकाजी महिलाएं जूझती हैं। यह लंबी यात्राओं से लेकर कार्यस्थल तक में शौचालय न होने के कारण स्वास्थ्य समस्याओं की बड़ी वजह बनता है। यह समस्या किसी एक स्थान विशेष की नहीं है, बल्कि पूरे भारत में महिलाएं इससे जूझ रही हैं। हम अक्सर सोचते हैं कि इस तरह की समस्याएं एक वर्ग विशेष की महिलाओं को झेलनी पड़ती हैं। मगर ऐसा नहीं है। अलग-अलग तरीके से आमतौर पर सभी तबकों की महिलाएं इस मुश्किल का सामना करती हैं। पांच सितारा जगहों को अगर छोड़ दें तो ज्यादातर जगहों पर महिलाएं अपने काम के दौरान शौचालय की सुविधा उपलब्ध न होने या न्यूनतम साफ-सफाई न होने की समस्या से दो-चार होती हैं। हमारे समाज का ऐसा वर्ग, जो अधिक प्रभावी है और बल्कि समाज का एक वर्ग उनका अनुसरण करता है, उनकी कोई बहुत मामूली-सी गतिविधि भी सुर्खियों में होती है। विचित्र है कि ऐसे लोग भी इस तरह की समस्याओं का सामना करने को मजबूर हैं। ऐसे में आम कामकाजी महिलाओं की स्थिति को समझा जा सकता है। आज भी हमारे ही देश में कितनी ही बालिकाएं ऐसी हैं जो शौचालय की दुरुस्त व्यवस्था न होने के कारण विद्यालय और महाविद्यालय नहीं जा पाती हैं। बल्कि लड़कियों के बीच में स्कूली पढ़ाई छोड़ने का यह एक बड़ा कारण भी है। यह समस्या ग्रामीण शेत्रों में अधिक देखी जा सकती है, जहां गांव दूर होने के कारण और अधिक दूरी के कारण बच्चियां अधिक छुट्टी लेती हैं। मासिक धर्म में अधिक रक्त स्राव होने और शौचालय की समस्या के कारण लड़कियों को घरों में ही रहना पड़ता है। इस समस्या से किशोरियों से लेकर महिला कर्मचारियों तक को जूझना पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला जम्मू-कश्मीर के विपक्षी दलों को नहीं आया रास

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय ने उचित करार दिया है। अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने का फैसला युद्ध जैसी स्थिति में तदर्थ उपाय के रूप में किया गया था। वह स्थायी व्यवस्था नहीं थी। उसे समाप्त करने का अधिकार राष्ट्रपति को था। हालांकि यह फैसला जम्मू-कश्मीर की सियासत में सक्रिय राजनीतिक दलों और कुछ अन्य विपक्षी दलों को रास नहीं आया है। मगर कर्ण सिंह ने इस फैसले का स्वागत किया और सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे इस फैसले को स्वीकार कर लें। जो राजनीतिक दल स्वीकार नहीं कर रहे हैं, देर-सवेर उन्हें भी मानना पड़ेगा। कर्ण सिंह राजा हरि सिंह के बेटे हैं, जिनके शासन में जम्मू-कश्मीर का भारत गणराज्य में विलय हुआ और उसे अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा दिया गया था। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से इस बात पर मुहर लग गई है कि केंद्र सरकार ने कोई असंवैधानिक फैसला नहीं किया। इस तरह जो राजनीतिक दल इस फैसले पर नाखुशी जाहिर कर रहे हैं, उन्हें भी देर-सवेर इसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर को भारत के दूसरे राज्यों से अलग दर्जा नहीं दिया जा सकता। सियासी मुद्दा बना देने से धारा-370 को समाप्त करने में तमाम अड़चने आईं-हालांकि अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का फैसला बहुत पहले हो जाना चाहिए था, मगर इसे एक सियासी मुद्दा बना दिया गया, जिसके चलते इसकी उलझनें बढ़ती गईं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस अनुच्छेद के चलते ही अलगाववादी ताकतों को भी अपनी गोटियां बिछाने और पाकिस्तान के साथ नजदीकी बनाए रखने में मदद मिली थी। फिर जब भाजपा ने इस अनुच्छेद को समाप्त करने की मांग को अपने राजनीतिक एजंडे में शामिल कर लिया, तो दूसरे राजनीतिक दलों ने उसके विरोध में इसे कायम रखने की राजनीति शुरू कर दी थी। तर्क दिए जाने लगे कि जब पूर्वोत्तर के राज्यों को विशेष दर्जा दिया गया है, तो जम्मू-कश्मीर को देने में क्या हर्ज है। बरकरार रखी भारत की एकता और संप्रभुता-मगर इस तर्क में यह फर्क भुला दिया जाता रहा कि जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष दर्जा ठीक उसी प्रकृति का नहीं था, जो पूर्वोत्तर के राज्यों का है। निस्संदेह अनुच्छेद 370 समाप्त होने से जम्मू-कश्मीर भी देश की मुख्यधारा से जुड़ गया है और वहां सक्रिय अलगाववादी ताकतें कमजोर हुई हैं। इससे वहां विकास और नए रोजगार सृजन की संभावनाएं भी विस्तृत हुई हैं। इसीलिए स्थानीय लोगों में इसे लेकर वैसा विरोध नहीं दिखा, जैसा सियासी दलों की ओर से दिखता रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर को जल्दी राज्य का दर्जा वापस देने और अगले साल सितंबर तक चुनाव कराने की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए। केंद्र इन दोनों बातों के लिए पहले से तैयार है। पिछले हफ्ते ही जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम को संसद में मंजूरी मिल गई। सरकार बार-बार दोहराती रही है और इस फैसले के बाद भी कहा है कि वह जल्दी ही राज्य का दर्जा वापस करेगी। इस तरह सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद उम्मीद जगी है कि इस दिशा में तेजी से प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से लोकतंत्र बाधित है, वहां चुनाव होने और उसे राज्य का दर्जा मिलने से स्थितियों में तेजी से बदलाव नजर आना शुरू होगा और वहां के लोगों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भरोसा बढ़ाने में कामयाबी मिलेगी। स्वाभाविक ही इस तरह चरमपंथी गतिविधियों पर भी नकेल कसी जा सकेगी।

आज का राशिफल

मेष मेषः स्वास्थ्य के लिहाज़ से आज बहुत अच्छा दिन है। आज आपकी खुश मिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकाल पाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। आपके लिए आज का भाग्यांकः 3

वृषभ वृषः आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आपके लिए आज का भाग्यांकः 6

मिथुन मिथुनः आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। शाम का ज्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आज आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपके जीवनसाथी आपके ऊपर खास ध्यान देंगे। आपके लिए आज का भाग्यांकः 8

कर्क कर्कः आज आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने वरिष्ठ लोगों को विश्वास में लेने का सही समय है। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। आपके लिए आज का भाग्यांकः 8

सिंह सिंहः आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं । आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है - यह दिन आपके लिए वसंत-काल की तरह है - रोमानी और प्यार के साथ आप अपने जीवनसाथी के साथ रहेंगे। आपके लिए आज का भाग्यांकः 1

कन्या कन्याः आज आपकी ऊँची बौद्धिक क्षमताएँ आपको कमियों से लड़ने में सहायता करेंगी। सिर्फ सकारात्मक विचारों के जरिए इन समस्याओं से निजात पायी जा सकती है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। आपके लिए आज का भाग्यांकः 9

तुला तुलाः चंद्रमा की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज्यादा फ़ायदा देंगे। आपके लिए आज का भाग्यांकः 7

वृश्चिक वृश्चिकः आज आपका मनमौजी बर्ताव सेहत के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज का दिन फायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे। आपके लिए आज का भाग्यांकः 8

धनु धनुः आज आपके माता-पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। शाम का वक्त दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। आपके लिए आज का भाग्यांकः 2

मकर मकरः आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आपके जीवन-साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपके लिए आज का भाग्यांकः 6

कुंभ कुम्भः आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। घरेलू ज़िंदगी सुकून भरी और खुशनुमा रहेगी। बड़े व्यापारिक लेन-देन करते वक़्त अपनी भावनाओं पर काबू रखें। आपका जीवनसाथी आपको खुश करने के लिए आज काफी कोशिशें करता नजर आएगा। आपके लिए आज का भाग्यांकः 9

मीन मीनः आज आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएंगे। आज का दिन ऐसी चीजों को खरीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफी संभावना है। आपके लिए आज का भाग्यांकः 8

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5088

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आडी व खडी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5087

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5088

1	2	■	3		4	■	5
6		7		■	8	9	
10				■	11		
	■	■	■	12		■	■
13	14	■	■	15		16	17
18		19	■	20			
■	■		■		■		■
21			■	■	22		

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस देश में फूल, रूमाल घड़ी आदि तोहफे देना गलत माना जाता है (2)
3. तमसा के तट पर इस महर्षि का आश्रम था, प्रख्यात ग्रंथ रामायण इन्हीं की कृति है (3)
6. विवाह तय होने के बाद वर को फल, रूपए देने आदि की रस्म (4)
8. शोध करने वाला (3)
10. मात्रा, तौल (4)
11. दौड़ने वाले को अंग्रेजी में यह कहत है (3)
12. कोन, रेखिक, मापी, खूंटा (2)
13. अध्ययन करने की क्रिया (2)
15. जयशंकर प्रसाद की प्रबंध काव्य (4)
18. दौड़पथ, धावनपथ (3)
20. कर या टैक्स देने वाला (4)
21. कार्यपूर्ति का माध्यम, उपकरण, जरिया (3)
22. भू पटल पर निचले और समतल क्षेत्र यह कहलाते है (3)

ऊपर से नीचे

1. मुख्यमंत्री को अंग्रेजी में यह कहत है (6)
2. शरीर की लंबी हड्डी को यह कहते हे (3)
3. कपि, वानर (3)
4. इस प्रसिद्ध पार्श्व गायक की बतौर संगीतकार पहली फिल्म झुमरू 1961 थी (6)
5. राजस्थान का एक शहर जो लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष (दिवंगत) बलराम जाखड़ का संसदीय क्षेत्र रहा है (3)
7. पिता का पिता, बाबा (2)
9. गणित के जोड़ का चिन्ह, रूपया-पैसा (2)
12. शंका करने वाला, शंकालु (4)
14. विश्वविद्यालय या महाविद्यालय का संकायध्यक्ष का मुख्य आचार्य (2)
16. जब-तब, कभी-कभी (4)
17. आनीत, नीत (2)
19. पगार, तनख्वाह (3)

वर्ग पहेली 5087 का हल

ब्रि	टे	न	■	अ	मे	ज	न
ज	ल	ज	■	ट	ह	ल	■
■	र	फ	बु	क	■	वा	क
सा	■	■	नि	ल	य	■	मा
ह	म	सा	या	■	म	ह	ल
सि	ल	■	द	■	द्धि	ज	■
क	मा	ई	■	य	ती	म	■
■	स	■	न	दि	या	■	■

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

मेकअप से पाइए दिन की दमक और रात की चमक

ओठों पर लिपस्टिक घुमाई... आँखों में काजल डाला और बहुत हुआ तो लाइनह की एक रेखा खींच डाली... कई बार मेकअप के नाम पर महिलाएँ इतना ही करती हैं। लेकिन मेकअप भी असल में एक कला है। दिन के उजाले में इसका असर अलग और रात की चमक के साथ अलग दिखाई देता के हल्के-फुल्के गेट-टुगेदर के लिए किस तरह का मेकअप चाहिए और रात की पार्टी में क्या अच्छा लगेगा... ये हम आपको बताते है।

रात की सुनहरी आभा के लिए

सबसे पहले नैचुरल शेड का लिक्विड बेस फाऊँडेशन लेकर उसे अच्छी तरह ब्लेंड करके चेहरे पर लगाएँ। मैट फिनिश देने के लिए कॉम्पैक्ट का प्रयोग करें। यदि चेहरे पर मुहाँसों या अन्य प्रकार के कोई दाग-धब्बे हों तो कंसीलर का प्रयोग भी किया जा सकता है। इसके बाद आँखों के लिए भी नैचुरल ही शेड चुनें। पीच आईशैडो लगाएँ और लिक्विड लाइनर तथा काजल अप्लाई करें। चाहें तो मस्कारा भी यूज कर सकती हैं। ओठों के लिए हल्के तथा नैचुरल शेड्स चुनें। मैट क्रीम लिप कलर अच्छा विकल्प होंगे। ग्लॉस का प्रयोग न करें साथ ही लिप लाइनर से प्रयोग से भी बचें। यदि मौका शादी या ऐसे किसी भव्य उत्सव का है तो हल्के लिप लाइनर का प्रयोग किया जा सकता है। कोशिश करें कि आपका मेकअप आपकी प्रकृतिक सुंदरता के करीब ही रहे। हैवी मेकअप से बचें लेकिन शिमर पावडर का प्रयोग चाहें तो कर सकती हैं। अगर आपका स्किन टोन डार्क है तो ओठों तथा आँखों के लिए वार्म शेड्स का प्रयोग करें।ओठों पर लिपस्टिक घुमाई... आँखों में काजल डाला और बहुत हुआ तो लाइनर की एक रेखा खींच डाली... कई बार मेकअप के नाम पर महिलाएँ इतना ही करती हैं। लेकिन मेकअप भी असल में एक कला है। दिन के उजाले में इसका असर अलग और रात की चमक के साथ अलग दिखाई देता है। तो एक सामान्य दिन के हल्के-फुल्के गेट-टुगेदर के लिए किस तरह का मेकअप चाहिए और रात की पार्टी में क्या अच्छा लगेगा... ये हम आपको बताते हैं।

रात की किसी पार्टी के लिहाज से भी लिक्विड बेस फाऊँडेशन का नैचुरल शेड अच्छा विकल्प है लेकिन रात के मेकअप के लिहाज से इसकी थोड़ा हैवी कोट अप्लाई करें। इसे भी कॉम्पैक्ट से फिनिशिंग टच दें। ब्राऊन, ग्रीन मैटल, ब्लयू तथा लाइट पिंक आईशैडो चुन सकती हैं। इसके साथ आँखों के बाहरी हिस्सों पर ब्लैक या ग्रे आईशैडो से कॉम्बिनेशन कर स्मोकी लुक दे सकती हैं। काजल और मस्कारा का खुलकर प्रयोग करें। ओठों पर लिप लाइनर, ग्लॉस टच के साथ ही गहरे तथा मैट के कई शेड्स का प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपका स्किन टोन डस्की हो तो ब्रोंज ब्लश का प्रयोग उचित होगा।

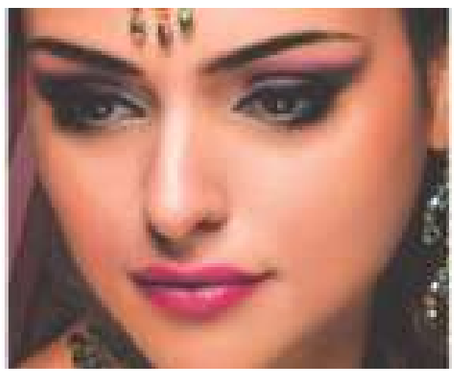

गाजर का मुरब्बा

सामग्री-

1 किलो गाजर, डेढ़ किलो शकर, 1/2 लीटर पानी, 2-3 ग्राम साइट्रिक एसिड, 4-5 इलायची।

विधि-

गाजर को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इन टुकड़ों को 2-3 मिनट गरम पानी में डालें, फिर तुरंत ही ठंडे पानी में डाल दें, फिर पानी से बाहर निकाल लें। चाशनी बनाएँ। उसको साइट्रिक एसिड से साफकरके छान लें। छनी हुई चाशनी में गाजर के टुकड़ों को डालें और 5 मिनट तक उबालें। दूसरे दिन गाजर के टुकड़ों को बाहर निकालकर चाशनी को पुन: गाढ़ा करें फिर गाजर के टुकड़ों को डालकर और गाढ़ा कर लें।

मुरब्बा तैयार होने पर पिसी इलायची मिलाएँ। यह मुरब्बा बहुत दिनों तक खराब नहीं होता है।

सोच-समझकर चुनें लिपस्टिक

मॉल में ब्यूटी प्रॉडक्ट्स के काउंटर की ओर लिपस्टिक खरीदने के लिए आपके कदम बढ़ते हैं। वहाँ पहुँचते ही आप सोचती हैं क्या लिपस्टिक का पिंक शेड मेरे लिए ठीक रहेगा? तभी निगाहें पर्पल शेड पर ठहर जाती हैं और फिर लगता है कि इस बार मुझे पर्पल शेड ट्राय करना चाहिए। दरअसल लिपस्टिक या कोई और मेकअप का सामान खरीदते समय अक्सर महिलाएँ संशय में पड़ जाती हैं कि ये खरीदें या वो। कुछ तय न कर पाने या फिर गलत चीज खरीदने से बेहतर होगा कि आप इस बारे में जान लें कि लिपस्टिक खरीदने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बजट तय करें

इन दिनों बाजार में लिपस्टिक की कई रेंज और शेड मौजूद हैं। साथ ही लिप ग्लॉस का विकल्प भी आपके लिए खुला है। लिपस्टिक के साथ लिप लाइनर भी आपको खरीदना ही होगा। अत: सबसे पहले अपना बजट तय करें कि आप लिपस्टिक पर कितने रुपए खर्च कर सकती हैं। 200 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक की लिपस्टिक में से अब तय आपको करना है। लिपस्टिक के लिए किसी अच्छे ब्रांड का हील में ब्यूटी प्रॉडक्ट्स के काउंटर की ओर लिपस्टिक खरीदने के लिए आपके कदम बढ़ते हैं। वहाँ पहुँचते ही चुनाव करें। बिना ब्रँड नेम की सस्ती लिपस्टिक आपके होंठों को नुकसान पहुँचा सकती है। यदि बजट कम है और आप कभी-कभी ही लिपस्टिक लगाती हैं तो स्मॉल साइज वाली लिपस्टिक खरीदना ठीक होगा।

कितनी है जरूरत?

यदि बहुत जरूरी न हो और महँगी लिपस्टिक आपको महज एक बार प्रयोग करने के लिए खरीदनी पड़े तो सोचिए जरूर कि क्या ऐसा करना आवश्यक है। रोजमर्रा के लिहाज से प्रचलित शेड, बड़ी साइज और अच्छी गुणवत्ता वाली लिपस्टिक खरीदने को प्राथमिकता दें।

परखें जरूर

लिपस्टिक खरीदने से पहले टेस्टर जरूर ट्राय करें। इससे आपको पता चल जाएगा कि कैटेलॉग में आप जो कलर देख रही हैं वह वास्तव वैसा है या नहीं और आपके चेहरे पर वह कलर कैसा लगता है।

चुनें एक रंग नया

यदि आप सालों से एक ही कलर लगाती आ रही हैं तो अब बदलें। दरअसल कुछ महिलाएँ अक्सर पिंक, कॉफी या रेड शेड ही हर जगह हर मौके पर लगाती हैं। जब भी आप नई लिपस्टिक खरीदें थोड़ा अलग शेड लें। इससे आपका लुक भी चेंज होगा।

मैचिंग-मैचिंग

नए शेड ट्राय करें मगर अपनी स्किनन टोन और परिधानों का भी ध्यान में रखें। ऐसे ही शेड चुनें जो आपको सौंदर्य में इजाफा कर रहे हों। बहुत ज्यादा बोल्ड शेड जैसे ग्रीन, ब्ल्यू, रस्टी ऑरेंज सभी पर सूट नहीं करते हैं अत: इनसे बचें।

पूछ-परख और रिव्यू पर भी नजर

यदि आप हाल ही में बाजार में आए किसी नए ब्रांड को खरीदने का सोच रही हैं तो अपनी सहेली या किसी रिलेटिव से भी उसके बारे में उनकी राय पूछ लें। इंटरनेट पर उस ब्रांड के रिव्यू पढने से भी आपको मदद मिलेगी।

प्रोफेशनल्स से लें मदद

यदि आप कुछ तय नहीं कर पा रही हैं तो बैहिचक काउंटर पर मौजूद प्रोफेशनल्स से मदद लें। काउंटर पर मौजूद लड़कियाँ प्रशिक्षित होती हैं आत: आप उनके ज्ञान का लाभ उठाइए और सही चीज खरीदिए। इसके अलावा आप अपनी ब्यूटीशियन या ऐसे ही किसी अन्य एक्सपर्ट से भी पूछ सकती हैं।

बनें बेहतर 'पैरेन्ट'

सभी पैरेन्ट अपने बच्चों को बेहतर जिन्दगी देना चाहते हैं। अभिभावक वो सब करते हैं जो उन्हें अपने बच्चे के लिए उचित लगता है। बच्चे काफी कोमल होते हैं, उन्हें जिस तरह ढाला जाता है वे वैसे ही बन जाते हैं। उन पर अपने माता-पिता व परिवार की सीख का प्रभाव सबसे अधिक होता है। बच्चों को बड़ा करने की इस प्रक्रिया में पालकों को भी चाहिए कि वे समय-समय पर बच्चों को बड़ा करने के तरीकों पर सोच-विचार करें।

अनकंडीशनल लव

नि:संदेह पैरेन्ट्स अपने बच्चों से अथाह प्यार करते हैं लेकिन इस प्यार के बदले में कोई अपेक्षा न रखें। माता पिता के रूप में अपने बच्चे को बिना किसी शर्त के और बिना किसी तरह की अपेक्षा के अपना प्यार देना चाहिए। जब आप बच्चे को अनकंडीशनल लव देते हैं तो उनकी गलतियों पर भी आप ज्यादा विचलित नहीं होते हैं। साथ ही आपका बच्चा भी इस प्यार को समझता है एवं स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस करता है।

एक्टिव लिसनिंग

जब बच्चा आपसे बात करता है तो अपना कार्य छोड़कर बच्चे की बात पर पूरा ध्यान दें। यह सच है की आप शायद स्वयं कार्य करते हुए भी बच्चे की बातों पर ध्यान दे रहे हों लेकिन जब आप सब कार्य छोड़कर बच्चे से आँख से आँख मिलाकर बात करेंगे तो बच्चा स्वयं भी गर्वित महसूस करेगा।

क्वालिटी टाइम

यह आवश्यक नहीं कि आप बच्चे के साथ पूरे समय रहें लेकिन जरूरी यह है कि आप उसके साथ जो भी समय गुजारें वह उत्कृष्ट हो। बच्चे के साथ कम समय गुजार कर भी आप यह जता सकते हैं कि वह आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है। आप इस समय में बच्चे से उसकी दैनिक गतिविधि, उसके दोस्तों के बारे में, उसके द्वारा देखे गए टीवी प्रोग्राम्स के बारे में बात करें वह खुद को आपके बहुत करीब पाएगा।

सेल्फ डिसिप्लिन

अनुशासन वह होता है जिसे बच्चा स्वयं पालन करे। आपके द्वारा थोपा गया अनुशासन बच्चा जल्द ही छोड़ भी देगा। ऐसा तभी संभव हो पाएगा जब आप अनुशासन के नियम में बच्चे को भी सम्मिलित करेंगे। यदि बच्चा रोज चॉकलेट खाने की जिद करता है तो उसे चॉकलेट खाने के दुष्परिणाम बताकर यह बताएँ कि हम चॉकलेट सप्ताह में सिर्फ एक बार खाएँगे। हो सकता है शुरू में बच्चा इसे न माने लेकिन आप जब इस नियम की उसे बार-बार याद दिलाएँगे तो वह समय के साथ-साथ आपकी बात मानने लगेगा। अनुशासन के नियम पर दृढ रहें। ढील देने से हो सकता है कि बच्चा इस बात को गाँठ बाँध और नियम को गंभीरता से न ले।

हेल्थ प्लस

आँखों की रोशनी तेज करें

आँखों की रोशनी को तेज कैसे किया जा सकता है? यह एक आम सवाल है। लोग चश्मे का नंबर कम करने या चश्मा उतारने के उपाय भी जानना चाहते हैं। इसी से जुड़े उपाय यहाँ बताए गए हैं।

क्या किया जा सकता है जिससे चश्मे का नंबर या तो चढ़े नहीं या हो तो उतर जाए एवं आँखों की रोशनी तेज हो।

- गर्भावस्था के प्रथम महीनों में माँ को अपने स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना चाहिए। किसी भी प्रकार का संक्रमण या अन्य बीमारियाँ, दवाएँ, नशा, धूम्रपान आदि से बच्चे की आँख को नुकसान हो सकता है।-
- जन्म के बाद बच्चे की आँखों का एक बार चेकअप हो जाना चाहिए ताकि किसी भी बीमारी का शुरूआत में ही इलाज किया सके। विटामिन 'ए' का घोल बच्चे को दिया जा सकता है।
- बच्चों को शुरुआत से ही प्राकृतिक चीजा का ही सेवन करने आदत डालें जैसे-हरी सब्जियाँ, सलाद, मौसमी फल, दूध, दाल, रोटी, चावल इत्यादि। फास्ट फूड से संपूर्ण पोषण प्राप्त नहीं होता। प्राकृतिक भोजन में उचित मात्रा में विटामिन व खनिज होते हैं। सोयाबीन का दूध भी बहुत लाभदायक होता है।
- आमतौर पर चश्मे का नंबर 18 से 19 साल की उम्र तक बढ़ता है एवं उसके बाद वह स्थिर हो जाता है। इस उम्र के बाद लेसिक लेजर विधि द्वारा चश्मे का नंबर हटाया जा सकता है। जिन लोगों में लेसिक लेज़र किसी कारणवश संभव न हो उनकी आँखों में एक नया कृत्रिम लैंस लगाया जा सकता है। यह कृत्रिम लैंस आँख के भीतर प्राकृतिक लेंस निकालकर फिट किया जा सकता है या फिर इसी प्राकृतिक लैंस के ऊपर नया लैंस रखा जा सकता है जिससे चश्मे का नंबर हट जाता है।
- ऐसी भी मान्यता है कि अगर आँखों का प्रेशर कम करने की दवाइयाँ लंबे समय तक इस्तेमाल की जाएँ तो चश्मे का नंबर नहीं बढता।
- चश्मे का नंबर कम हो तो नि.मित रूप से एंटीऑक्सिडेंट दवाएँ लेकर इसे नियंत्रित किया जा सकता है।
- मधुमेह रोगी अगर शुगर को नियंत्रित रखें तो उनके चश्मे का नंबर नहीं बढता।
- सुबह नंगे पाँव हरी घांस पर चलें।
- गाजर का रस पिएँ।
- आँखों के व्यायाम के लिए आँखों को दाएँ-बाएँ, ऊपर-नीचे घुमाएँ।
- टीवी, कम्प्यूटर की किरणें आँखों के पर्दे को नुकसान पहुँचा सकती हैं। अत: लंबे समय तक उनका प्रयोग न करें।
- सूरज को सीधा आँखों से न देखें, रेटिना खराब हो सकता है।
- सिर में बादाम के तेल की मालिश करें।
- सुबह नंगे पाँव हरी घास पर चलें।
- नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा नियमित जाँच करवाएँ।

संक्रमण से भी हो सकते हैं माथे पर दाने

18 वर्षीय इस युवती के माथे पर अचानक छोटे-छोटे दाने उभर आए। बालों में कई-समय से रूसी होने के कारण ये दाने हो गए थे। सौंदर्य समस्याएँ कई बार सेहत से जुड़ी होती हैं। जैसा इस युवती के मामले में हुआ। दानों के उपचार के लिए उसकी त्वचा और बालों की रूसी का उपचार साथ-साथ किया, हेयर स्टाइल बदली ताकि बाल माथे पर न आएँ। उसे रोज बालों को धोने की सलाह दी गई। साथ ही रूसी का उपचार भी शुरू किया गया।

हाजमा ठीक न होने से भी इस तरह की परेशानी हो सकती है।-उसे रोज दिन में एक कटोरी दही खाने की सलाह दी गई। तीन महीनों के बाद उसके माथे के दाने गायब हो गए। माथे के दाने कई बार साधारण न होकर किसी संक्रमण के कारण हो सकते हैं। हाजमा बिगड़ना भी एक कारण हो सकता है,-इसके लिए भरपूर पानी पीना बहुत जरूरी है।-माथे की त्वचा चेहरे की बाकी त्वचा से थोड़ी अलग होती है, वहाँ तेल ग्रंथियाँ ज़्यादा होती हैं, इसलिए दाने भी सबसे पहले उभरते हैं।

इसी तरह अगर लिवर इंफेक्शन होने पर भी माथे पर दाने आ सकते हैं। हालाँकि ऐसा हर बार हो ही, ऐसा जरूरी नहीं। साफ-सफाई बहुत ही महत्वपूर्ण है। अपने हाथों को दिन में कई बार साबुन से धोएँ। चेहरे को सेलिसिलिक एसिड युक्त फेस वॉश से दिन में दो बार धोएँ। बालों को छोटा रखें। अगर लंबे हों तो उन्हें पीछे की ओर बाँधे। ध्यान रखें कि वे चेहरे पर न आने पाएँ।

- अपने हाथों को चेहरे पर कम से कम लगाएँ।
- हेड बैंड्स का प्रयोग न करें, क्योंकि वे पसीना सोखते हैं।
- धूम्रपान कम करें। एक्टिव स्मोकर्स में ऐक्ने ज्यादा होता है।
- हेयर स्प्रे बहुत सावधानी से करें क्योंकि इससे रोम छिद्र बंद हो सकते हैं। बालों को बाँध कर रखें।
- ध्यान दें कि बालों से शैंपू पूरी तरह साफहो। बालों और माथे पर शैंपू के अंश रह जाने से कई-तरह की परेशानियाँ हो सकती हैं।

अरब डायरी - 8

किरण राव की 'लापता लेडीज' और घूंघट में दुल्हनों की अदला-बदली का घनचक्कर

अजित राय
जेद्दा, सऊदी अरब से

आमिर खान की पूर्व पत्नी किरण राव की नई फिल्म ' लापता लेडीज ' को सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित तीसरे रेड सी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में दर्शकों ने काफी पसंद किया।आमिर खान और जियो स्टूडियो ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। इसी साल 8 सितंबर 2023 को टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था। यह फिल्म अगले साल 5 जनवरी 2024 को भारतीय सिनेमा घरों में रीलिज होगी। इस फिल्म समारोह में भारत से कुल तीन फिल्में दिखाई गई जिसमें दो हिंदी और एक पंजाबी की है। किरण राव की ' लापता लेडीज' के साथ साथ करण जौहर और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित निखिल नागेश भट्ट की ' किल ' और टी सीरीज के भूषण कुमार और अन्य द्वारा निर्मित भारतीय मूल के कनाडाई फिल्मकार तरसेन सिंह की पंजाबी फिल्म ' डियर जस्सी ' को भी यहां काफी पसंद किया गया। ' डियर जस्सी ' को ' ओ माय गॉड -2' के निर्देशक अमित राय ने लिखा है। किरण राव ने ' धोबी घाट '(2011) के बारह साल बाद कोई फिल्म बनाई है। बिप्लव गोस्वामी की कहानी के आधार पर इसे स्नेहा देसाई ने लिखा है। इसमें मुख्य भूमिकाएं रवि किशन, स्पर्श श्रीवास्तव,प्रतिभा रत्ना,नीतांशी गोयल, गीता अग्रवाल, छाया कदम, दुर्गेश कुमार, सत्येंद्र सोनी आदि ने निभाई है।

'लापता लेडीज ' दो ग्रामीण औरतों की कहानी है जो शादी के बाद लाल जोड़े में अपने अपने पति के साथ ससुराल आते हुए ट्रेन में लंबे घूंघट के कारण खो जाती है। पहली दुल्हन फूल का पति भूल से दूसरे की दुल्हन को लेकर अपने गांव के रेलवे स्टेशन पर उतर जाता है । उसकी असली दुल्हन फूल ट्रेन में आंख लग जाने के कारण छत्तीसगढ़ के किसी पतीला रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाती है जहां दूसरी दुल्हन को उतरना था। उस जमाने में उत्तर भारत के गांवों में भयानक पर्दा प्रथा थी और शादी से पहले लड़का और लड़की एक दूसरे को देख भी नहीं पाते थे। वह भटकती हुई एक नकली अपाहिज भिखारी और उसके दोस्त छोटू की मदद से रेलवे प्लैटफॉर्म पर चाय पकौड़े का दूकान चलानेवाली चाची के यहां शरण लेती है। चाची मर्दों के धोखेबाज़ चरित्र से जली भुनी बैठी है।उसे लगता है कि फूल के पति ने दहेज लेकर और सुहागरात मनाकर जानबूझकर उसे छोड़ दिया है। जबकि फूल हमेशा शादी वाला लाल जोड़ा पहने रहती है क्योंकि उसे यकीन है कि एक न एक दिन उसे खोजता हुआ उसका पति जब यहां आएगा तो इसी लाल जोड़े के कारण उसे पहचान लेगा। फूल को केवल अपने गांव का नाम याद है, पता ठिकाना नहीं। उस नाम के गांव हर जगह भरे पड़े हैं। उसे अपने पति और ससुराल का भी नाम पता ठिकाना नहीं मालूम। उस जमाने में गांव की औरतें अपने पति का नाम तक नहीं बोलती थी।

फूल का पति ससुराल से अपनी दुल्हन की विदाई कराकर मोटरसाइकिल, नाव, बस और ट्रेन से जब अपने गांव पहुंचता है और दुल्हन का घूंघट उठाया जाता है तो पता चलता है कि यह तो किसी दूसरे की दुल्हन है जो लंबे घूंघट के कारण गलती से यहां आ गई है। फूल का पति जब थाने में अपनी पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखाने जाता है तो थानेदार (रवि किशन) उससे फूल की फोटो मांगता है। उसके पास उसकी पत्नी के साथ शादी के समय खींचा गया एकमात्र ऐसा फोटो है जिसमें दुल्हन का चेहरा लंबे घूंघट से ढका हुआ है। अब समस्या है कि इन लापता औरतों की खोज कैसे की जाय।

फूल का पति जिस दूसरी दुल्हन को गलती से घर ले आया है उसकी भी रहस्यमय कहानी है। उसकी शादी उसकी मर्जी के खिलाफ एक अपराधी किस्म के बिगड़ैल से कर दी गई थी। वह उससे पीछा छुड़ाने की सोच ही रही थी कि फूल का पति उसे अपनी पत्नी समझ कर ले आया। वह सबसे पहले अपने मोबाइल का सिम कार्ड जलाकर नया सिमकार्ड डालती है जिससे उसके घर या ससुराल वाले उसे ढूंढ न पाए। पता चलता है कि वह कृषि विज्ञान की पढ़ाई करना चाहती है और शादी के गहने बेचकर अपनी बहन को चुपके-चुपके मनीआर्डर करती है। वह फूल के पति की कल्पना से फूल का एक गुमशुदगी का पोस्टर बनाती है। उसे सारे रेलवे स्टेशनों पर चिपका दिया जाता है। उसी पोस्टर की मदद से पतीला स्टेशन से फूल को खोज निकाला जाता है। फूल की जगह आई दूसरी औरत का पति भी उसे खोजता हुआ गांव के थाने पहुंचता है। पुलिस इंस्पेक्टर को सबके सामने रिश्वत देकर वह उसे जबरदस्ती ले जाना चाहता है। पर यहां सब लोग उसके खिलाफ हो जाते हैं। सबकी मदद से दूसरी औरत आजाद होकर अपनी पढ़ाई पूरी करने चली जाती है।

किरण राव की यह फिल्म बेशक सुखांत है पर भारतीय समाज में औरतों की दयनीय हालत पर सतत टिप्पणी करती है। फिल्म की मेकिंग कामेडी स्टाइल में तो है पर यथार्थवादी तरीके से फिल्माया गया है। सभी चरित्र बेहद स्वाभाविक लगते हैं। लड़के की मां (गीता अग्रवाल) अपने पति पर हमेशा कटाक्ष करती रहती है। लड़के का बड़ा भाई शहर में सेक्यूरिटी गार्ड की नौकरी करता है और अपनी पत्नी और बच्चों को गांव में छोड़े हुए हैं। उसकी पत्नी उसका चित्र बनाकर तकिए के नीचे रखती है और छुप छुप के देखती रहती है। लड़के का दादा भी सेक्यूरिटी गार्ड की नौकरी से रिटायर होकर आया है। वह हमेशा आधी आंख खोलकर सोता है और नींद में बड़बड़ाता रहता है- जागते रहो। इलाके का विधायक एक चुनावी सभा में फूल के खो जाने की घटना को विरोधी दल की साज़िश और उनके द्वारा अपहरण बताता है। फिल्म में प्रकट हिंसा तो कहीं भी नहीं है। लेकिन चुटीले अंदाज में काफी कुछ कहा गया है। बस एक ही बात खटकती है कि किरण राव ने कुछ ज्यादा ही निष्पाप भाव (इनोसेंट) से गांव और ग्रामीण जनता को दिखाया है। भले ही इस फिल्म का समय 2001 के आस-पास का है और इलाका मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ का बार्डर है, पर इतना निष्पाप और सीधा सादा गांव तो आज कहीं नहीं बचा है।